छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

www.cgfrontline.com

RNI Reg No-CHHHIN/2020/87351

डाक पंजीयन क्र. 046/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 07 अंक - 01 बैकुंठपुर, शुक्रवार 18 सितम्बर 2026 पृष्ठ -8 मूल्य -1

कांग्रेस के प्रशिक्षण में सात सत्र, संगठन से लेकर सोशल मीडिया तक दिए टिप्स

भूपेश ने धर्मनिरपेक्षता, ताम्रध्वज ने सत्ता-संगठन समन्वय और बैज ने बूथ स्तर के संगठन को लेकर की चर्चा

छ.ग.फ्रंटलाइन

अंबिकापुर। सरगुजा संभाग स्तरीय कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्षों और मास्टर ट्रेनरों के प्रशिक्षण के दूसरे दिन बुधवार को सात सत्र आयोजित किए गए। सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे तक चले प्रशिक्षण में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू, एआईसीसी सचिव राजेश तिवारी सहित विशेषज्ञ प्रशिक्षकों ने अलग-अलग विषयों पर प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के अंतिम दिन 17 सितंबर को नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत पेपर लीक सहित छात्रों से जुड़े मुद्दों पर सत्र को संबोधित करेंगे। प्रशिक्षण की शुरुआत परिसर में स्थापित भगवान गणेश की पूजा-अर्चना से हुई। इससे पहले सुबह 7 बजे कांग्रेस

सेवादल के प्रदेशाध्यक्ष अरुण ताम्रकर, सरगुजा संभाग प्रभारी विनीत विशाल जायसवाल और जिलाध्यक्ष लोकेश कुमार की अगुवाई में ध्वज वंदन किया गया। इसके बाद योग प्रशिक्षक अजय तिवारी ने प्रशिक्षणार्थियों को एक घंटे तक योगाभ्यास कराया।

राजनीति में धर्म का उपयोग और धर्मनिरपेक्षता' विषय पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अपनी असफलताओं और नाकामियों को छिपाने के लिए भाजपा देश में धार्मिक वैमनस्य का माहौल तैयार कर रही है, लेकिन अब उसकी नाकामियों की चर्चा सरेआम होने लगी है। पूर्व गृहमंत्री ताम्रध्वज साहू ने 'सत्ता और संगठन में समन्वय' विषय पर कहा कि सत्ता और संगठन का तालमेल जन अपेक्षाओं को सही रूप में व्यक्त करने और उनके निराकरण में मदद करता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से जनता से जुड़े मुद्दों को मजबूती से सत्ता तक पहुंचाने का आह्वान किया।

आदिवासी अधिकार और पेसा कानून की जानकारी

एआईसीसी सचिव राजेश तिवारी ने आदिवासी समुदाय के विकास में कांग्रेस के योगदान, जल-जंगल-जमीन से जुड़े मुद्दों और पेसा कानून की बारीकियों की जानकारी दी। वहीं कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने संचार सदनों के उपयोग के साथ स्वतंत्रता आंदोलन में आरएसएस की भूमिका और कांग्रेस के दृष्टिकोण से जुड़े विषयों पर जानकारी दी। सोशल मीडिया पर मणि वैष्णव तथा कांग्रेस के कार्यक्रमों की ऑनलाइन व्यवस्था और 'कनेक्ट कांग्रेस' की प्रक्रिया पर दीपक मिश्रा ने प्रशिक्षण दिया।

बूथ स्तर के संगठन को मजबूत करने पर जोर

दिन के अंतिम सत्र को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने संबोधित किया। उन्होंने संगठन निर्माण, कार्यकर्ताओं के दायित्व और संगठन के महत्व पर चर्चा करते हुए बूथ स्तर तक तैयार संगठन को प्रभावी दिशा देने की जानकारी दी। प्रशिक्षण का संचालन कर रहे कांग्रेस के प्रभारी महामंत्री संगठन मलकीत गैदु ने बताया कि अंतिम दिन प्रशिक्षु ब्लॉक अध्यक्षों को प्रशिक्षण प्रमाणपत्र दिए जाएंगे। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण के माध्यम से कांग्रेस को बूथ स्तर तक संगठनात्मक रूप से तैयार करने का प्रयास किया जा रहा है। राजनीति में धर्म का उपयोग और धर्मनिरपेक्षता' विषय पर पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि अपनी असफलताओं और नाकामियों को छिपाने के लिए भाजपा देश में धार्मिक वैमनस्य का माहौल तैयार कर रही है, लेकिन अब उसकी नाकामियों की चर्चा सरेआम होने लगी है।

स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल, 25 स्वास्थ्य अधिकारियों के तबादले

छ.ग.फ्रंटलाइन

रायपुर। लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग ने राज्य में प्रशासनिक फेरबदल करते हुए 25 स्वास्थ्य अधिकारियों और विशेषज्ञों का तबादला किया है। आदेश के तहत प्रदेश के कई जिलों में तैनात मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों, सिविल सर्जनों तथा अन्य चिकित्सा विशेषज्ञों को नई पदस्थापना दी गई है। इस फेरबदल के अंतर्गत रायपुर, महासमुंद, सुकमा, बेमेतरा, धमतरी, सूरजपुर, कोरिया, सरगुजा, बिलासपुर और मुंगेली सहित कई जिलों के चिकित्सा अधिकारी प्रभावित हुए हैं। सरगुजा संभाग के स्वास्थ्य सेवाओं के संभागीय संयुक्त संचालक डॉ. अनिल कुमार शुक्ला को खैरागढ़-छुईखदान-गंडई का प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बनाया गया है। सूरजपुर के प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैंकरा को स्थानांतरित करते हुए संभागीय संयुक्त संचालक स्वास्थ्य सेवाएं सरगुजा संभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। कोरिया के प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रशांत सिंह को सूरजपुर का नया प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बनाया गया है। कोरिया जिले के बैकुंठपुर स्थित जिला चिकित्सालय से डॉ. बलवंत सिंह को कोरिया जिले का प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी नियुक्त किया गया है। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर स्थित जिला चिकित्सालय चिरमिरी से डॉ. राजेंद्र राय को जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा में नवीन पदस्थापना दी गई है। दंतेवाड़ा जिला चिकित्सालय के प्रभारी सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अभय सिंह तोमर को जिला चिकित्सालय चिरमिरी का प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक नियुक्त किया गया है। वहीं दंतेवाड़ा जिला चिकित्सालय की डॉ. प्रियंका सक्सेना को उसी चिकित्सालय का प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक बनाया गया है।

पक्की छत और सुकून भरा जीवन, मुमताज के जीवन में खुशहाली की बयार

बैकुंठपुर। हर परिवार जो दूसरे के खेतों में परिश्रम करके अपना जीवन यापन करता हो और उसके पास खुद की नाम मात्र के लिए थोड़ी सी भूमि भी हो वह एक पक्के मकान का केवल सपना ही देख सकता है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आवास योजना को लागू कर ऐसे कठिन जीवन संघर्ष वाले लाखों परिवारों के सपनों को भी आकार देने का कार्य किया है। कोरिया जिले के बैकुण्ठपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम गदबदी में रहने वाली मुमताज बेगम प्रधानमंत्री आवास के पक्के मकान में रहकर अपना सुखमय पारिवारिक जीवन जी रही हैं। कभी कच्चे घर में रहने वाले इस परिवार के पास प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से जुड़कर अब अपनी एक अलग सामाजिक पहचान बन गई है। यह परिवार अब अपने बच्चों के सुखद भविष्य के लिए मेहनत करने में जुट गया है। दूसरे के खेतों में परिश्रम करके जीवन यापन करने वाले मुमताज और उनके पति हैदर जमाल के पास सपने तो थे लेकिन उन्हे पूरा करने का संसाधन नहीं था। पहले गांव में ही एक कच्चे घर पर रहकर अपना जीवन चलाने वाले मुमताज और उनके पति हैदर रोजगार मूलक योजनाओं के हितग्राही थे। किसी तरह से मजदूरी करके और दूसरे के खेतों में काम करके यह परिवार अपनी आजीविका चला रहा था। ऐसे में अपना एक मकान होना उनके लिए दिवा स्वप्न था। मुमताज बीते कुछ वर्षों में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिषन बिहान से जुड़ी इससे उनके सामाजिक दायरे में बढ़ोत्तरी हुई और आपसी लेन-देन करते हुए वह थोड़ी आय अर्जित करने लगी। फिर प्रधानमंत्री आवास योजना ने इस परिवार के लिए ऐसा कार्य कर दिया जिसे इन्होने सपने में भी नहीं सोचा था। विगत वित्तीय वर्ष में इस परिवार को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चयनित किया गया। आवास योजना के तहत मिली आर्थिक मदद से मुमताज और उनके पति हैदर ने परिश्रम से अपना एक सुंदर आशियाना बनाया और अब उनके पास खुद का मकान है। मुमताज और उनके पति हैदर ने बताया कि पहले बेघर होने का एक कष्ट उन्हें हमेशा चिंतित रखता था। ऐसे में बच्चों के भविष्य को लेकर भी दोनों पति-पत्नी बेहद परेशान रहते थे। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण से मिले पक्के मकान की स्वीकृति और उसके बाद आवास निर्माण पूर्ण हो जाने से उनकी जीवनभर की चिंता एक बार में ही समाप्त हो गई है। अपना घर बन जाने के बाद मुमताज और हैदर अब एक सामाजिक पहचान के साथ सुखमय जीवन में आगे बढ़ रहे हैं।

महतारी वंदन से अनीता के परिवार को मिला सहारा

बैकुंठपुर। ग्राम रनई निवासी 31 वर्षीय श्रीमती अनीता बरगाह के लिए परिवार की जिम्मेदारियां और बच्चों का भविष्य हमेशा सबसे बड़ी प्राथमिकता रही है। पति श्री नंद कुमार बरगाह के साथ खेती-बाड़ी और मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली अनीता के लिए घर की जरूरतों को पूरा करने के साथ-साथ दो बच्चों की पढ़ाई का खर्च संभालना आसान नहीं होता। ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके परिवार के लिए आर्थिक सहारे की महत्वपूर्ण कड़ी बनी है। महतारी वंदन योजना के तहत हर माह मिलने वाली एक हजार रुपए की राशि अनीता के लिए छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने में बड़ी मददगार साबित हो रही है। वह इस राशि का उपयोग घर-परिवार की आवश्यकताओं और बच्चों की पढ़ाई से जुड़े खर्चों में करती हैं। जरूरत के समय मिलने वाली यह नियमित सहायता परिवार के बजट को संभालने में उनका साथ देती है।

मजदूरी से बेटे के उज्ज्वल भविष्य तक, कुन्ती सिंह के परिवार में शिक्षा ने जगाई नई उम्मीद

छ.ग.फ्रंटलाइन

एमसीबी। मेहनत - मजदूरी कर परिवार का भरण-पोषण करने वाली ग्राम महाराजपुर दर्रीटोला निवासी श्रीमती कुन्ती सिंह, पति दिनेश सिंह के लिए अपने बच्चे को बेहतर शिक्षा दिलाना एक बड़ा सपना था। सीमित आर्थिक संसाधनों के बावजूद वह चाहती थीं कि उनका बेटा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य को संवार सके। आज अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना ने उनके इस सपने को साकार करने की राह आसान कर दी है।

श्रीमती कुन्ती सिंह मजदूरी करके अपने परिवार का भरण-पोषण करती हैं। मजदूरी के कार्य के अंतर्गत उनका श्रम विभाग में पंजीयन हुआ था। इसी पंजीयन के माध्यम से उनके बेटे को अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना का लाभ प्राप्त हुआ और उसका प्रवेश योजना के अंतर्गत कराया गया। अटल उत्कृष्ट योजना के तहत अब कुन्ती सिंह के बेटे को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा मिल रही है। इससे बच्चे की शिक्षा के साथ उसके आवास की सुविधा भी सुनिश्चित हुई है। योजना का लाभ मिलने से परिवार पर शिक्षा संबंधी आर्थिक बोझ कम हुआ है और कुन्ती सिंह को अपने बेटे के भविष्य को लेकर नई उम्मीद मिली है। कुन्ती सिंह के लिए यह योजना उनके बेटे के उज्ज्वल भविष्य की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उनका कहना है कि मजदूरी करके परिवार की जिम्मेदारियां निभाते हुए बच्चे की पढ़ाई का खर्च उठाना आसान नहीं था। अब बेटे को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा मिलने से उन्हें राहत मिली है और विश्वास है कि उनका बच्चा अच्छी शिक्षा प्राप्त कर जीवन में आगे बढ़ेगा। अपने बेटे को मिले इस अवसर से खुश श्रीमती कुन्ती सिंह ने श्रम विभाग एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मेरे बच्चे का एडमिशन अटल उत्कृष्ट योजना के तहत हुआ है और अब मेरे बच्चे को नि:शुल्क आवासीय शिक्षा मिल रही है। इसके लिए मैं श्रम विभाग तथा मुख्यमंत्री जी का बहुत-बहुत धन्यवाद करती हूं।

प्रधानमंत्री आवास ने किया, जगदीश का सपना साकार

बैकुंठपुर। हर गरीब व्यक्ति का एक सपना होता है कि उसके पास एक पक्का आशियाना हो। यह ऐसी आस होती है जो व्यक्ति की उम्र के साथ-साथ बढ़ती जाती है। कोरिया जिले के वनांचल जनपद सोनहत अंतर्गत ग्राम पंचायत अकलासरई में रहने वाले श्री जगदीष के लिए उनका पक्का मकान से बेहतर शायद ही कोई समझ सकता हो। उम्र के आखिरी पड़ाव में उनकी पक्के मकान की चाहत को प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण ने पूरा कर दिया है।सोनहत ग्राम पंचायत में रहने वाले श्री जगदीश का आरंभिक जीवन अपने पैतृक कार्य में बीता। इस दौरान उनके तीन बच्चे हुए जिनमें दो पुत्र युवावस्था आते तक असमय काल के गाल में समा गए।

मेडिकल कॉलेज मनेंद्रगढ़ का सपना हुआ साकार: स्वास्थ्य मंत्री

प्रथम वर्ष के लिए 31 छात्रों का हुआ प्रवेश

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। सेवा संकल्प अभियान 2026 के द्वितीय चरण का शुभारंभ एवं शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेंद्रगढ़ के प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्रों के प्रवेश उत्सव का आयोजन गुरुवार को किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय विधायक एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम परिसर में वृहद स्वास्थ्य शिविर का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं एवं जांच का लाभ लिया। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि श्याम बिहारी जायसवाल द्वारा स्वास्थ्य शिविर का निरीक्षण कर की गई। इसके पश्चात शासकीय मेडिकल कॉलेज मनेंद्रगढ़ के प्रथम वर्ष के नवप्रवेशी छात्रों का प्रवेश कराया गया। मेडिकल कॉलेज में प्रथम वर्ष के लिए कुल 50 सीटें निर्धारित

हैं, जिनमें राज्य कोटे की 31 सीटों पर छात्रों को प्रवेश दिया गया था किट प्रदान किया गया। इसके बाद दूसरे चरण के सेवा संकल्प अभियान रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मनेंद्रगढ़ मेडिकल कॉलेज अब केवल सपना नहीं, बल्कि हकीकत बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस के अवसर पर मेडिकल कॉलेज की शुरुआत क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है इस दौरान युवाओं और समाज सेवियों ने रक्तदान कर सेवा भावना का संदेश दिया। स्वास्थ्य मंत्री ने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिवस को सेवा के रूप में मनाने की परंपरा देखने को मिल रही है। स्वच्छता, रक्तदान और जनसेवा जैसे कार्यों के माध्यम से जन्मदिवस मनाया जा रहा है। उन्होंने कोरोना महामारी का उल्लेख करते हुए कहा कि देश ने कोरोना जैसी चुनौती का सामना किया और वैक्सीन तैयार कर देश के साथ अन्य देशों को भी उपलब्ध कराई। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं के माध्यम से गरीब और जरूरतमंद परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने का काम किया गया है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से महिलाओं को धुएं से राहत, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से पक्के मकान तथा स्वच्छ भारत मिशन के तहत घर-घर शौचालय निर्माण जैसे कार्य किए गए हैं। मेडिकल कॉलेज को लेकर उन्होंने कहा कि जिन लोगों को आशंका थी कि मेडिकल कॉलेज मनेंद्रगढ़ से कहीं और चला जाएगा, उन्हें अब सामने दिखाई दे रही व्यवस्था को देखना चाहिए। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज में 50 विद्यार्थियों के साथ 50 शिक्षकों की व्यवस्था सुनिश्चित करने का प्रयास है। साथ ही जीवनदीप समिति के मानदेय में भी वृद्धि की गई है। कार्यक्रम के दौरान जीवनदीप समिति द्वारा स्वास्थ्य मंत्री का स्वागत महामाला से किया गया। वहीं आयोजित स्वास्थ्य शिविर में रक्तदान अभियान के तहत 19 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। शिविर में हजारों की संख्या में लोगों ने पहुंचकर विभिन्न स्वास्थ्य जांच एवं चिकित्सा सेवाओं का लाभ उठाया। कार्यक्रम में योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, नगर पंचायत लेदरी अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, नगर पालिका मनेंद्रगढ़ अध्यक्ष प्रतिमा यादव, भाजपा जिलाध्यक्ष चंपा देवी पावले, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत सिंह, नगर पंचायत झगराखांड अध्यक्ष रीमा यादव, जानकी बाई खुसरो तथा जिला पंचायत सदस्य रामजीत लकड़ा सहित जनप्रतिनिधि, कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगडे, डॉ अविनाश खरे मुख्य चिकित्सा अधिकारी, शिशिर जायसवाल डीपीएम, डॉ स्वप्निल तिवारी, अस्पताल अधीक्षक, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी-कर्मचारी, नवप्रवेशी मेडिकल छात्र एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे।

गुलाबमनी को मिला सुकून का आशियाना, प्रधानमंत्री आवास ने किया सपना साकार

छ.ग.फ्रंटलाइन

बैकुंठपुर। जब किसी व्यक्ति अपने सपने को साकार करने के लिये रात-दिन मेहनत और संघर्ष में डूबे होते हैं, ऐसे में उनके सपना को साकार करने का जिम्मा सरकार या शासन को योजनाएं पूरी करती है तब उस योजनाओं के बारे में वह अपने तक नहीं रखते हैं, बल्कि उनके जैसे आस-पड़ोस में रहने वाले एव जरूरतमन्द परिवारों को भी बताने से नहीं चूकते। एक ऐसी योजना ने सलका निवासी गुलाबमनी के जीवन में बदलाव और सपने को साकार करने में प्रधानमंत्री आवास योजना ने महती भूमिका निभाया एक कठिन जीवन संघर्ष के दौरान जब उन्हे हर तरफ से बेसहारा होने का खतरा हुआ ठीक उसी समय उन्हे अपने जीवन में स्वयं का आषियाना मिल गया। उनकी बेहद कठिन परिस्थितियों में प्रधानमंत्री आवास योजना ने उन्हे नए सिरे से जीवन की शुरूआत करने का अवसर प्रदान कर दिया है। अब गुलाबमनी नई उमंग के साथ जीवन पथ पर आगे बढ़ने लगी हैं। दूसरे के खेतों में परिश्रम करके जीवन यापन करने वाले श्री धरम मारन की पुत्री गुलाबमनी की प्राथमिक शिक्षा उनके गांव में हुई और उनका विवाह हुआ। ससुराल पक्ष में अनबन होने से वह बेहद कठिन दौर में आ गई जब ससुराल पक्ष से उनका पूरी तरह से अलगाव हो गया। एक परित्यक्त जीवन में जूझ रही गुलाबमनी को ऐसे कठिन समय में उनकी बहन ने अपने घर पर रखा और उनका हौसला बनाए रखा। ग्राम पंचायत सलका में प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत उन्हे गत वर्ष पक्के मकान की स्वीकृति प्राप्त हुई। कठिन समय में अपना एक मकान होना उनके लिए सबसे बड़ा संबल बन गया। गुलाबमनी जब परिवार के साथ कठिन दौर से गुजर रही थीं तो उनके पास अपनी छत का ना होना सबसे बड़ी समस्या थी। ऐसे में फिर प्रधानमंत्री आवास योजना ने उनके लिए ऐसा कार्य कर दिया जिसे इन्होने सपने में भी नहीं सोचा था। विगत वित्तीय वर्ष में गुलाबमनी को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत चयनित किया गया। आवास योजना के तहत मिली आर्थिक मदद से उन्होंने परिश्रम से अपना एक सुंदर आषियाना बनाया और अब उनके पास खुद का मकान है। यही उनका सबसे बड़ा सहारा भी बन गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की दूरदर्षी पहल, और साकारात्मक निर्णय ने सेवा संकल्प का जो गुलाबमनी के जीवन में बदलाव दिखा वह एक मिसाल है। गुलाबमनी कहती हैं कि जब ससुराल से अलगाव हुआ तो उनके सामने पहचान का संकट खड़ा हो गया था। लेकिन प्रधानमंत्री आवास से मिले पक्के मकान से अब उनकी सामाजिक पहचान बनी है। उनका खुद का अपना मकान होना समाज में गर्व से जीने का एक माध्यम भी बन गया है।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कलेक्टर ने ली कानून व्यवस्था, एनकॉर्ड एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कानून व्यवस्था, जिला स्तरीय एनकॉर्ड समिति एवं सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेकर संबंधित विभागों को महत्वपूर्ण दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव, अपर कलेक्टर श्री आर.एन. पाण्डेय, समस्त अनुविभागीय अधिकारी राजस्व एवं अनुविभागीय पुलिस अधिकारी सहित जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गणेश उत्सव एवं विसर्जन की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने पंडाल स्थलों पर सघन निगरानी रखने के निर्देश दिए, जिससे भीड़ की स्थिति प्रभावी रूप से नियंत्रित रह सके। उन्होंने अनुविभागीय अधिकारियों से शांति समिति की बैठकों की जानकारी ली और कहा कि विसर्जन यथासंभव सूर्यास्त से पूर्व सुनिश्चित किया जाए। विसर्जन स्थलों पर राजस्व एवं पुलिस अमले की मॉनिटरिंग के साथ गोताखोरों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी, ताकि किसी प्रकार की अप्रिय स्थिति निर्मित न हो। स्वयंसेवकों तथा पंडाल समितियों के पदाधिकारियों के संपर्क नम्बर संधारित रखने और विसर्जन के उपरांत जल स्रोतों की सफाई कराने का दायित्व नगरीय निकायों के मुख्य नगर पालिका अधिकारियों को सौंपा गया। पुलिस अधीक्षक श्री बैंकर वैभव ने निरंतर गश्त, सूचना तंत्र को सुदृढ़ करने तथा राजस्व एवं पुलिस अमले के मध्य बेहतर समन्वय पर बल दिया।

एनकॉर्ड समिति की बैठक में जिले को नशामुक्त बनाने की दिशा में अवैध शराब, गांजा तथा प्रतिबंधित मादक पदार्थों के व्यापार, परिवहन एवं विक्रय पर अंकुश लगाने की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि नशा एक व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि संपूर्ण परिवार और समाज को प्रभावित करता है, इसलिए सभी विभाग समन्वित प्रयास करें। उन्होंने पुलिस एवं आबकारी विभाग को ''जीरो टॉलरेंस'' नीति अपनाते हुए सीमावर्ती क्षेत्रों, संवेदनशील स्थानों तथा संदिग्ध ठिकानों पर सतत चेकिंग एवं संयुक्त छापामार कार्रवाई के निर्देश दिए। ड्रग इंस्पेक्टर और स्वास्थ्य विभाग को मेडिकल स्टोर्स के नियमित निरीक्षण का दायित्व देते हुए कहा गया कि चिकित्सकीय पर्चे के बिना नशीली अथवा प्रतिबंधित दवाओं का विक्रय करने वालों पर कठोर विधिक कार्रवाई की जाए तथा आवश्यकतानुसार लाइसेंस निलंबित किए जाएं। शाला, महाविद्यालय एवं कोचिंग संस्थानों के आसपास तंबाकू सहित नशीले पदार्थों की बिक्री पर पूर्ण रोक लगाने, शिक्षा एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से सेमिनार, रैली और कार्यशाला के माध्यम से युवाओं को जागरूक करने तथा नशे से प्रभावित व्यक्तियों की काउंसलिंग एवं पुनर्वास व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने पर भी जोर दिया गया। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला आबकारी अधिकारी तथा ड्रग इंस्पेक्टर सहित समिति के सदस्य शामिल हुए।

सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में सुरक्षा मानकों के अनुपालन, वाहन जांच, चालकों के प्रशिक्षण एवं सड़क संकेतकों की स्थिति की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए नियमित वाहन जांच, प्रशिक्षित चालक, यातायात नियमों का कड़ाई से पालन और आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता अनिवार्य है।

उन्होंने वाहन चालकों तथा आम नागरिकों के मध्य सतत जागरूकता अभियान संचालित करने और सभी विभागों को आपसी तालमेल के साथ आवश्यक उपाय क्रियान्वित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

गुदरी गली में लगातार 9 वर्षों से श्री गणेश पूजा उत्सव

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। लगातार 9 वर्षों से गणेश महोत्सव समर्पण, सेवा, एकता और सामाजिक सौहार्द का संदेश दिया जा रहा है। ज्ञात हो कि गुदरी गली गणेश पूजा समिति द्वारा महावीर वार्ड और श्यामा प्रसाद मुखर्जी वार्ड के संयुक्त तत्वावधान में 14 से 20 सितंबर तक 7 दिवसीय भव्य गणेश महोत्सव का आयोजन भक्तिभाव और सामाजिक सौहार्द के साथ किया जा रहा है। आयोजन के चौथे दिन भी श्रद्धालुओं और क्षेत्रवासियों का उत्साह चरम पर बना हुआ है। महोत्सव के दौरान 15 से 19 सितंबर तक लगातार 5 दिनों तक प्रतिदिन रात्रि में विशाल भंडारे का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सैकड़ों श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण कर रहे हैं। समिति के सदस्य किसी बाहरी कर्मचारी से सफाई न करवाकर, हर रात भंडारे के बाद स्वयं स्वच्छता की कमान संभाल रहे हैं। प्रतिदिन महिलाओं और बच्चों के लिए नए-नए मनोरंजक खेल आयोजित किए जा रहे हैं।देश सेवा में तैनात जवान विमलेश गुप्ता, मृत्युंजय साहू और दिव्यांश गुप्ता जैसे समिति के सक्रिय सदस्य जुटे हुए हैं। दोनों वार्डों के निवासी, युवा और वरिष्ठ जन

गुप्ता 15 दिनों की छुट्टी लेकर विशेष रूप से इस महोत्सव में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। अंकित कुमार कुशवाहा द्वारा भंडारे के दौरान कैटरिंग सुविधा पूर्णतः निःशुल्क प्रदान की जा रही है। आयोजन को सफल बनाने में संतोष गुप्ता, राकेश गुप्ता, गौरव यादव, आशीष कुमार सिंह, मनोज सिंह, बृजेश गुप्ता, अनीश मिलकर पूजा, आरती, सजावट और व्यवस्थाओं में अपना योगदान दे रहे हैं। समिति के अनुसार 14 से 20 सितंबर तक चलने वाला यह 7 दिवसीय आयोजन केवल धार्मिक अनुष्ठान न होकर समाज में आपसी भाईचारा, स्वच्छता और एकजुटता का संदेश देने का सशक्त माध्यम बन चुका है।

सिविल सेवा आचरण नियम का उल्लंघन पर सहायक ग्रेड 3 निलंबित

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा 17 सितम्बर को अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिलफिली का आकस्मिक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान संस्था में कार्यरत देवी प्रसाद राजवाड़े सहायक ग्रेड 3 अनाधिकृत रूप से अनुपस्थित पाए गए। संस्था में कार्यरत शिक्षक एवं कर्मचारियों के द्वारा अवगत कराया गया कि देवी प्रसाद विगत कुछ दिनों से विद्यालय नहीं आ रहे हैं और जब विद्यालय आते हैं तो नशे की हालत में आते हैं। इनके द्वारा विद्यालय में सहकर्मियों के साथ अमर्यादित व्यवहार किया जाता है। देवी प्रसाद राजवाड़े द्वारा खण्ड-खण्ड में वेतन देयक तैयार किया जा रहा है। इनके द्वारा प्राचार्य एवं स्वयं का वेतन पहले आहरण कर लिया गया तथा दुसरी बार में संस्था में कार्यरत 14 कर्मचारियों का वेतन आहरण किया गया। संस्था में कार्यरत 11 कर्मचारियों का वेतन देयक तैयार नहीं किया गया है जिससे संबंधित कर्मचारियों को माह अगस्त का वेतन आज तक अप्राप्त है। देवी प्रसाद राजवाड़े का उक्त कृत्य शासकीय कर्तव्यों के प्रति घोर लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं उदासिनता को दर्शाता है जो छ0ग0 सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के सर्वथा विपरित है। प्रकरण में छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम 3 के उल्लंघन का प्रथम दृष्टया दोषी पाए जाने के कारण जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा देवी प्रसाद राजवाड़े सहायक ग्रेड 3 शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल सिलफिली सूरजपुर को छत्तीसगढ़ सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से शासकीय सेवा से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि में देवी प्रसाद राजवाड़े सहायक ग्रेड 3 सिलफिली का मुख्यालय शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल बालक बिहारपुर ओड़गी नियत किया गया है। निलंबन काल में इन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

रायपुर के आंबेडकर अस्पताल में बदली व्यवस्था, अब गंभीर मरीजों के इलाज मे पर्ची नहीं बनेगी रोड़ा

रायपुर। छ.ग. फ्रंटलाइन। आंबेडकर अस्पताल में पर्ची बनवाने के दौरान महिला मरीज की मौत के बाद गंभीर मरीजों के लिए व्यवस्था बदल दी गई है। अब गंभीर हालत में पहुंचने वाले मरीजों को पर्ची के लिए कतार में इंतजार नहीं करना होगा। उन्हें सीधे सीएमओ कार्यालय भेजा जाएगा। वहां डाक्टर मरीज की स्थिति देखने के बाद संबंधित वार्ड में भेजेंगे। इस दौरान पर्ची बनाने की प्रक्रिया भी जारी रहेगी।

बुधवार को उरला निवासी दुर्गेश साहू अपनी पत्नी अश्विनी बाई साहू को इलाज के लिए आंबेडकर अस्पताल लेकर पहुंचे थे। पर्ची बनवाने की प्रक्रिया के दौरान महिला की मौत हो गई। इसके बाद गंभीर मरीजों को पहले इलाज देने की व्यवस्था लागू की गई है।

डॉक्टरों का कहना है कि गंभीर मरीज का इलाज रोकना उचित नहीं है, लेकिन एमएलसी, दुर्घटना या अन्य बड़ी घटनाओं में पर्ची और उसमें दर्ज समय भी महत्वपूर्ण होता है। इससे मरीज के अस्पताल पहुंचने का समय दर्ज रहता है। यदि पर्ची बाद में बनती है और मरीज की मौत उससे पहले हो जाती है तो बाद में यह तय करना मुश्किल हो सकता है कि मरीज अस्पताल कब पहुंचा था। ऐसी स्थिति में ड्यूटी पर मौजूद डाक्टर के सामने कानूनी परेशानी खड़ी हो सकती है।

अस्पताल प्रबंधन ने अब मरीजों और स्वजन को नई व्यवस्था की जानकारी देने के लिए स्टैंडी और पोस्टर की व्यवस्था की है। साथ ही सीएमओ कार्यालय के पास दोपहर दो बजे तक एक कर्मचारी तैनात किया जाएगा। वह गंभीर मरीजों की पहचान कर उन्हें तत्काल सीएमओ कार्यालय तक पहुंचाने में मदद करेगा।

गजब का सिस्टम : रिटायरमेंट के पांच साल बाद भी विभागीय जांच की फाइल पेंडिंग, छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने पीएचई सचिव से मांगा शपथ पत्र

बिलासपुर। छ.ग. फ्रटंलाइन। छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सेवानिवृत्त कर्मचारी जीएन रामटेके की विभागीय जांच को लेकर राज्य सरकार से जवाब-तलब किया है। रामटेके 31 दिसंबर 2021 को अधिवार्षिकी आयु पूरी कर सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन सेवानिवृत्ति से पहले शुरू हुई विभागीय जांच की फाइल अब तक अंतिम निर्णय के लिए लंबित है।

खास बात यह है कि विभागीय जांच में उन्हें सभी आरोपों से दोषमुक्त किए जाने की रिपोर्ट 23 जुलाई 2024 को सरकार को भेजी गई थी। आपत्तियों पर विचार के बाद 4 जुलाई 2025 को नई रिपोर्ट भी भेज दी गई। इसके बावजूद अंतिम आदेश जारी नहीं होने पर हाई कोर्ट ने पीएचई विभाग के सचिव को शपथ पत्र दाखिल कर देरी का कारण बताने कहा है। याचिकाकर्ता जीएन रामटेके की ओर से अधिवक्ता राजेश कुमार केशरवानी और जूही अंगूरिया ने पैरवी की। 31 अगस्त 2026 की सुनवाई में अधिवक्ता ने कोर्ट को बताया था कि रामटेके 31 दिसंबर 2021 को सेवानिवृत्त हो चुके हैं, लेकिन उनके विरुद्ध सेवानिवृत्ति से पहले शुरू की गई विभागीय जांच अब तक पूरी नहीं हुई है। इस पर हाई कोर्ट ने पुरानी कार्यवाही का रिकार्ड और जांच की स्थिति रिपोर्ट मांगी थी। इसके बाद 16 सितंबर को राज्य की ओर से कोर्ट को बताया गया कि जांच में रामटेके को सभी आरोपों से दोषमुक्त पाया जा चुका है। इसकी रिपोर्ट 23 जुलाई 2024 को राज्य सरकार को भेजी गई थी। आपत्तियों पर विचार के बाद 4 जुलाई 2025 को ताजा रिपोर्ट भी भेज दी गई, लेकिन अंतिम आदेश अभी सरकार के स्तर पर प्रक्रिया में है।

इस मामले में हाई कोर्ट ने 14 नवंबर 2022 को राज्य सरकार को रामटेके के विरुद्ध शुरू की गई विभागीय कार्यवाही का रिकार्ड पेश करने का निर्देश दिया था। 31 अगस्त 2026 की सुनवाई में कोर्ट के सामने यह बात आई कि उस आदेश का पालन नहीं हुआ। इसके बाद कोर्ट ने राज्य सरकार को विभागीय जांच की स्थिति रिपोर्ट पेश करने के निर्देश दिए थे और संबंधित अधिकारी को अगली सुनवाई में उपस्थित रहने कहा था।

16 सितंबर की सुनवाई में राज्य की ओर से स्पष्ट किया गया कि रामटेके जांच में दोषमुक्त हो चुके हैं और उनकी दोषमुक्ति संबंधी रिपोर्ट दो बार सरकार को भेजी जा चुकी है। इसके बावजूद अंतिम निर्णय लंबित है। इस पर जस्टिस बिभु दत्ता गुरु की सिंगल बेंच ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के सचिव को शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। सचिव को यह स्पष्ट करना होगा कि 23 जुलाई 2024 और 4 जुलाई 2025 की रिपोर्ट के बावजूद अब तक अंतिम आदेश क्यों पारित नहीं किया गया। मामले को दो सप्ताह बाद वाले सप्ताह में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया गया है।

छत्तीसगढ़ में पांच दिन के ब्रेक के बाद वर्षा दिखाएगी तेवर, 18 सितंबर से बढ़ेगी बारिश,

रायपुर। छ.ग. फ्र टंलाइन। छत्तीसगढ़ में पिछले पांच दिनों से उमस और चिपचिपी गर्मी का सामना कर रहे लोगों के राहत भरी खबर है। राज्य में अगले दो दिनों में मौसम फिर से करवट लेने वाला है और बारिश की गतिविधियों में तेजी आने की संभावना जताई गई है। मौसम विज्ञान केंद्र के मुताबिक, 18 सितंबर को प्रदेश के अनेक स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। वहीं कुछ चुनिंदा स्थानों पर गरज-चमक के साथ वज्रपात (आसमानी बिजली गिरने) की चेतावनी भी जारी की गई है। राजधानी रायपुर की बात करें तो यहां आकाश आंशिक रूप से मेघमय रहने का अनुमान है। तापमान की दृष्टि से अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम

तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास दर्ज किया जा सकता है। मौसम विभाग का अनुमान है कि 19 सितंबर से छत्तीसगढ़ में बारिश का वितरण और तीव्रता दोनों में बढ़ोतरी होगी। इस दौरान मेघगर्जन और चमक के साथ झमाझम बारिश होने की गतिविधियां तेज हो जाएंगी। इसके पीछे एक नया मौसम सिस्टम सक्रिय हो रहा है।

उत्तरी थाईलैंड के ऊपर बना ऊपरी हवा का चक्रवाती परिसंचरण अब आगे बढ़कर उत्तरी अंडमान सागर के ऊपर पहुंच रहा है, जिसके प्रभाव से 19 सितंबर की शाम तक एक नया निम्न दबाव (लो प्रेशर) का क्षेत्र बनने की संभावना जताई गई है।

यह संभावित निम्न दबाव का क्षेत्र अगले तीन-चार दिनों के भीतर धीरे-धीरे मजबूत होकर दक्षिण ओडिशा और उत्तर आंध्र प्रदेश के तटों की ओर आगे बढ़ेगा। इस मौसमी तंत्र के असर से छत्तीसगढ़ के कई जिलों में अच्छी बारिश होने की उम्मीद है, जिससे किसानों को भी फायदा होगा और तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

बीते 24 घंटों के दौरान प्रदेश में छिटपुट जगहों पर बहुत हल्की से हल्की बारिश ही दर्ज की गई। पेंड्रा रोड, सल्हेवारा और चांपा में सबसे अधिक 20-20 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई। वहीं कुनकुरी, रामानुजगंज, रेंगाखार कला और रघुनाथ नगर में 10-10 मिमी पानी गिरा। राजधानी रायपुर में गुरुवार को अधिकतम तापमान 34 डिग्री और न्यूनतम तापमान 26.7 डिग्री सेल्सियस रहा, जो कि सामान्य से थोड़ा अधिक था। बिलासपुर में प्रदेश का सर्वाधिक तापमान 34.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

सिलाई, किराना और मुर्गी पालन से रानू कर रही 3 लाख तक की सालाना कमाई

रायपुर। छ.ग. फ्र टंलाइन। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले के मरवाही विकासखंड की ग्राम पंचायत अंडी निवासी रानू कैवर्त की सफलता ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण की प्रेरक मिसाल बनकर सामने आई है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन-बिहान से जुड़कर रानू कैवर्त ने अपने हुनर, मेहनत और उपलब्ध संसाधनों को आजीविका के विभिन्न साधनों से जोड़ा और आज उनकी वार्षिक आय लगभग 2 से 3 लाख रुपये तक पहुंच गई है।

रानू कैवर्त शिव गुरु महिला स्व-सहायता समूह की सचिव हैं। बिहान से जुड़ने के बाद उन्हें समूह के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का अवसर मिला। उन्होंने समूह से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन का उपयोग करते हुए एक ही व्यवसाय पर निर्भर रहने के बजाय कई आजीविका गतिविधियों को अपनाया। सिलाई कार्य, कपड़ों की दुकान, किराना स्टोर, बटेर पलन, देशी मुर्गी पालन और हैचरी जैसे कार्यों को उन्होंने अपनी आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बनाया।

इन प्रयासों ने न केवल उनकी आय के स्रोतों में विस्तार किया, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति को भी मजबूत किया। आज रानू कैवर्त अपनी मेहनत और बहुआयामी आजीविका गतिविधियों के माध्यम से सालाना लगभग 2 से 3 लाख रुपये की आय अर्जित कर रही हैं और लखपति दीदी के रूप में अपनी पहचान बना रही हैं।

रानू कैवर्त की सफलता को ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने की उस व्यापक पहल से जोड़कर देखा जा सकता है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'लखपति दीदी' के संकल्प को प्रमुखता दी है। केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन योजना के तहत स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को आजीविका, वित्तीय समावेशन, कौशल, उद्यमिता और संस्थागत ऋण तक पहुंच के लिए सहायता दी जाती है। लखपति दीदी पहल इसी मिशन का एक परिणाम है, जिसका उद्देश्य स्व-सहायता समूह की महिला सदस्यों को टिकाऊ आधार पर कम से कम एक लाख रुपये वार्षिक आय अर्जित करने में सक्षम बनाना है। केन्द्र सरकार के अनुसार जुलाई 2026 तक देशभर में 10.08 करोड़ ग्रामीण परिवारों को लगभग 92 लाख स्व-सहायता समूहों से जोड़ा जा चुका था और 3.46 करोड़ से अधिक महिलाएं लखपति दीदी के रूप में सक्षम हुई थीं।

केन्द्र सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अनुसार छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के अंतर्गत 2.79 लाख स्व-सहायता समूह सक्रिय थे और लगभग 29.78 लाख महिलाएं इस कार्यक्रम से लाभान्वित हो रही थीं। यह व्यवस्था महिलाओं को केवल समूह से जोड़ने तक सीमित नहीं है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व-सहायता समूहों को वित्तीय समावेशन, टिकाऊ आजीविका और सामुदायिक संस्थाओं के सशक्तिकरण से जोड़ा जाता है। केन्द्र सरकार की ओर से समूहों को रिवॉल्विंग फंड और कम्युनिटी इन्वेस्टमेंट फंड जैसी सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान भी है, जिससे महिलाएं अपनी आजीविका गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए पूंजी और संस्थागत सहयोग प्राप्त कर सकें।

रानू कैवर्त की कहानी की खासियत यह है कि उन्होंने अपनी आय के लिए एक ही साधन पर निर्भर रहने के बजाय कई गतिविधियों को जोड़ा। सिलाई और कपड़ों की दुकान से लेकर किराना व्यवसाय, बटेर पालन, देशी मुर्गी पालन और हैचरी तक के कार्यों ने उनके लिए आय के अलग-अलग अवसर तैयार किए हैं।

रानू बताती हैं कि स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद उन्हें आर्थिक गतिविधियों को विस्तार देने का अवसर मिला। बिहान समूह से प्राप्त सहयोग और मार्गदर्शन का बेहतर उपयोग करते हुए उन्होंने अलग-अलग आजीविका गतिविधियां अपनाईं। उनके अनुसार, समूह से जुड़ने से उनमें अपने दम पर आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी बढ़ा है।

रानू कैवर्त को महतारी वंदन योजना के तहत प्रतिमाह मिलने वाली आर्थिक सहायता भी प्राप्त होती है। उनके अनुसार नियमित आर्थिक सहायता से घरेलू जरूरतों को पूरा करने में सहयोग मिलता है और आर्थिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए आत्मविश्वास मजबूत हुआ है। अपनी सफलता और आत्मनिर्भरता की दिशा में मिले अवसरों के लिए रानू कैवर्त ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया है।

रानू कैवर्त की कहानी यह बताती है कि जब ग्रामीण महिलाओं को संगठन, मार्गदर्शन, वित्तीय एवं आजीविका संबंधी अवसर मिलते हैं और वे अपनी मेहनत व हुनर को व्यवसाय से जोड़ती हैं, तो परिवार की आर्थिक स्थिति में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामने आई यह कहानी केन्द्र सरकार की राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन व्यवस्था, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के लखपति दीदी के संकल्प और राज्य में बिहान के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों को मिल रहे सहयोग के बीच बने समन्वय की एक मिसाल है। रानू कैवर्त ने अपने हुनर और मेहनत को अवसर से जोड़कर आत्मनिर्भरता की राह बनाई है और अब गांव की अन्य महिलाओं के लिए भी प्रेरणा बन रही हैं।

कलेक्टर बंगले का बगीचा संवारते हैं पिता, बेटी ने किताबों से संवारा अपना भविष्य

गायत्री ने नीट में हासिल की सफलता, अब डॉक्टर बनने की ओर बढ़ाया कदम

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। सेवा संकल्प अभियान समाज के हर वर्ग की मेहनत, उपलब्धियों और सपनों को सम्मान देने के साथ उन प्रेरक कहानियों को सामने लाने का माध्यम बन रहा है, जो दूसरों को आगे बढ़ने का हौसला देती हैं। अभियान की इसी भावना के बीच सामने आई है गायत्री सिंह की सफलता की कहानी, जिन्होंने अपनी मेहनत और दृढ़ संकल्प से नीट परीक्षा में सफलता हासिल की है। कलेक्टर बंगला सूरजपुर में वर्ष 2014 से माली के रूप में सेवाएं दे रहे ठाकुर प्रसाद की बेटी गायत्री सिंह ग्राम नुनेरा, विकासखंड उदयपुर, जिला सरगुजा की निवासी हैं। सीमित संसाधनों के बीच पली-बढ़ी गायत्री ने पढ़ाई को अपनी ताकत बनाया और डॉक्टर बनने का सपना देखा। आज नीट में सफलता हासिल कर उन्होंने अपने सपने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ाया है। गायत्री की इस उपलब्धि से माता-पिता सहित पूरा परिवार गौरवान्वित है। वह परिवार की पहली सदस्य हैं, जो डॉक्टर बनने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

कलेक्टर ने दी बधाई, पढ़ाई के लिए किया प्रोत्साहित

गायत्री की सफलता पर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने उनसे भेंट की। उन्होंने नीट परीक्षा उत्तीर्ण करने पर गायत्री को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं और आगे की पढ़ाई के लिए प्रोत्साहित किया। कलेक्टर ने इस अवसर पर गायत्री को उपहार भेंट कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कलेक्टर से मिले प्रोत्साहन ने गायत्री के उत्साह को और बढ़ाया।

दसवीं में गायत्री ने देखा डॉक्टर बनने का सपना

गायत्री ने कक्षा पांचवीं तक की पढ़ाई झिरमिटी प्राथमिक शाला से की। इसके बाद उन्होंने मिडिल स्कूल कक्षा 6वीं से कक्षा 12वीं एकलव्य विद्यालय कक्षा छठवीं से बारहवीं तक उन्होंने सन्ना में अध्ययन किया। पढ़ाई के दौरान ही कक्षा दसवीं में उन्होंने डॉक्टर बनने का लक्ष्य तय कर लिया था। कक्षा बारहवीं में बायोलॉजी विषय के साथ उन्होंने 69 प्रतिशत अंक हासिल किए। इसके बाद अपने लक्ष्य को पाने के लिए उन्होंने मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी जारी रखी। अपने सपने को साकार करने के लिए गायत्री ने वर्ष 2025 में भिलाई जाकर कोचिंग ली। तैयारी के दौरान उन्होंने पढ़ाई को अपनी प्राथमिकता बनाया और प्रतिदिन लगभग 10 घंटे अध्ययन किया। नीट की तैयारी के दौरान उन्होंने मोबाइल और सोशल मीडिया से दूरी बनाए रखी। कोचिंग की पुस्तकों और अध्ययन सामग्री पर विशेष ध्यान देते हुए उन्होंने नियमित रूप से पढ़ाई की। कठिन तैयारी के बीच उन्होंने अपने लक्ष्य से ध्यान नहीं भटकने दिया। गायत्री अपनी सफलता का श्रेय निरंतर मेहनत और आत्मविश्वास को देती हैं। उनका कहना है कि विद्यार्थी को सबसे पहले यह तय करना चाहिए कि उसे किस क्षेत्र में आगे बढ़ना है। इसके बाद लक्ष्य को लेकर निरंतर प्रयास करते रहना चाहिए। वह कहती हैं कि हार या जीत की चिंता किए बिना स्वयं पर विश्वास रखते हुए मेहनत जारी रखनी चाहिए। यही निरंतर प्रयास सफलता की राह खोलती है। नीट में सफलता की जानकारी मिलने के बाद गायत्री ने सबसे पहले अपनी मां के साथ यह खुशखबरी साझा की। बेटी की सफलता सुनकर माता-पिता सहित पूरा परिवार खुशी से भर उठा। गायत्री की माता श्रीमती कणिका सिंह आंगनबाड़ी में सहायिका के रूप में कार्यरत हैं। परिवार में गायत्री के दो भाई भी हैं। बड़े भाई मुनेश्वर सिंह फामेर्सी की पढ़ाई कर रहे हैं, जबकि छोटे भाई नारायण सिंह कक्षा 9वीं में अध्ययनरत हैं। एक ओर पिता ठाकुर प्रसाद वर्षों से पौधों की देखभाल कर रहे हैं, वहीं उनकी बेटी अपनी मेहनत से अपने भविष्य को आकार दे रही है।

लक्ष्य स्पष्ट और मेहनत निरंतर हो तो कदम चूमती है सफलता-गायत्री

सेवा संकल्प अभियान के तहत समाज के विभिन्न वर्गों की उपलब्धियों और प्रेरक कहानियों को सामने लाने की पहल की जा रही है। इसी कड़ी में गायत्री सिंह की सफलता एक ऐसी कहानी है, जिसने परिस्थितियों को अपनी राह की बाधा नहीं बनने दिया। लक्ष्य तय किया, उसके लिए मेहनत की और नीट में सफलता हासिल की। अब उनका अगला पड़ाव डॉक्टर बनने की दिशा में आगे बढ़ना है। गायत्री कहती है कि सपना चाहे कितना भी बड़ा हो, यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और मेहनत निरंतर हो तो उसे हासिल करने की दिशा में कदम बढ़ाए जा सकते है।

सौर सुजला योजना से बकिरमा के अनूप तिग्गा की खेती को मिला नया संबल

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। शासन की किसान हितैषी योजनाएं खेती को आसान बनाने के साथ किसानों की आजीविका को मजबूत कर रही हैं। सेवा संकल्प अभियान के बीच सरगुजा जिले के ग्राम बकिरमा के किसान अनूप तिग्गा की कहानी इसका उदाहरण है। सौर सुजला योजना के तहत खेत में सोलर पंप लगने से उनकी खेती का स्वरूप ही बदल गया है। अनूप तिग्गा बताते हैं कि पहले सिंचाई सबसे बड़ी चिंता थी। सोलर पंप लगने के बाद फसलों को जरूरत के अनुसार पानी मिलने लगा है।

अब खेती एक फसल तक सीमित नहीं रही।वे खरीफ में धान और मक्का, तो रबी में मटर, टमाटर सहित कई फसलें ले रहे हैं। सोलर पंप से खेत का सालभर उपयोग हो रहा है। अनूप कहते हैं, ₹सौर सुजला योजना से खेत में सोलर पंप लगा है। इससे खेती में बहुत सुविधा हुई है। मैं सीजन के अनुसार धान, मक्का, मटर, टमाटर लगाता हूं। अब हर सीजन में खेती कर पाता हूं।₹

फसल विविधीकरण और आजीविका को सहारा

सौर ऊर्जा से संचालित पंप ने फसल विविधीकरण को बढ़ावा दिया है। जहां पहले पानी की कमी से खेती प्रभावित होती थी, वहीं अब मौसम के अनुसार फसल चयन कर वे खेती को आगे बढ़ा रहे हैं। इससे परिवार की आजीविका को भी मजबूती मिली है।सोलर पंप के लिए अनूप तिग्गा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का आभार जताया है।

'मोर गांव मोर पानी' महाअभियान से बदलेगी सरगुजा के गांवों की तस्वीर, 59 तालाबों का होगा गहरीकरण

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। गांवों की समृद्धि केवल सड़कों और भवनों से नहीं, बल्कि जल संसाधनों की मजबूती से तय होती है। इसी सोच को जमीन पर उतारने के लिए सरगुजा जिले में 'मोर गांव मोर पानी महाअभियान' चलाया जा रहा है। इसके तहत जिले में 59 तालाबों के गहरीकरण और जीर्णोद्धार के कार्य स्वीकृत किए गए हैं। विकसित भारत जी-राम-जी योजना के तहत ये कार्य जल संरक्षण के साथ-साथ रोजगार सृजन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का माध्यम बन रहे हैं।

रामपुर का कबीर चबूतरा तालाब बना उदाहरण

अम्बिकापुर जनपद की ग्राम पंचायत रामपुर में कबीर चबूतरा तालाब के गहरीकरण से इस अभियान की सफलता दिखती है। 7.31 लाख रुपये की लागत से तालाब का गहरीकरण किया गया। पहले यह तालाब सिल्ट से भरा था और गर्मी में सूख जाता था, अब यह लबालब भरा है। इस कार्य से 2,395 मानव दिवस का रोजगार भी सृजित हुआ है।

जल संरक्षण से भूजल स्तर में सुधार

तालाबों के गहरे होने से वर्षा जल अधिक समय तक रुकेगा, जिससे भूजल पुनर्भरण बढ़ेगा। रामपुर में आसपास के कुओं और बोरवेल के जलस्तर में वृद्धि हुई है, जिससे पेयजल संकट कम होगा।

खेती, निस्तारी और स्वरोजगार को मिलेगा लाभ

तालाबों में पानी रहने से किसानों को रबी फसल के लिए सिंचाई का अतिरिक्त साधन मिलेगा। खेती की वर्षा पर निर्भरता कम होगी। साथ ही ग्रामीणों और पशुओं के लिए सालभर निस्तारी की सुविधा मिलेगी। पर्याप्त जल से मछली पालन जैसे स्वरोजगार के अवसर भी पैदा होंगे। 'मोर गांव मोर पानी' का लक्ष्य है - गांव का पानी गांव में रुके, जलस्त्रोत समृद्ध हों और लाभ हर परिवार तक पहुंचे।

श्रमिकों के सम्मान की नई पहल, उत्कृष्ट कार्य के लिए मिलेगा 2 लाख का 'श्रम यशस्वी पुरस्कार', 5 अक्टूबर तक आवेदन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। छत्तीसगढ़ शासन के श्रम विभाग ने श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए स्व. रामानुज प्रताप सिंहदेव स्मृति श्रम यशस्वी पुरस्कार-2025-26 के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। इस पुरस्कार के तहत चयनित श्रमिक अथवा संस्था को 2 लाख रुपये की पुरस्कार राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। यह पुरस्कार उन श्रमिकों एवं संस्थाओं को प्रदान किया जाएगा, जिन्होंने 1 अप्रैल 2025 से 31 मार्च 2026 की अवधि में श्रम के क्षेत्र में उल्लेखनीय एवं उत्कृष्ट कार्य किया हो। विशेष रूप से ऐसे कार्यों को प्राथमिकता दी जाएगी, जिनसे मजदूरों की सुरक्षा एवं स्वास्थ्य के लिए प्रभावी उपाय किए गए हों और जिनके परिणामस्वरूप पूरे वर्ष में कोई गंभीर दुर्घटना न हुई हो। इसके साथ ही कार्यस्थल पर सुरक्षा नियमों के व्यापक प्रचार-प्रसार तथा सुरक्षित कार्य वातावरण को बढ़ावा देने की दिशा में उल्लेखनीय योगदान करने वाले श्रमिकों एवं संस्थाओं को भी पुरस्कार के लिए चयनित किया जाएगा। ऐसे प्रयास, जिनसे प्रदेश का नाम श्रम जगत में गौरवान्वित हुआ हो, पुरस्कार के लिए महत्वपूर्ण आधार होंगे।

5 अक्टूबर तक कर सकते हैं ऑनलाइन आवेदन

श्रम विभाग द्वारा पात्र श्रमिकों एवं संस्थाओं से 5 अक्टूबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा।इच्छुक श्रमिक एवं संस्थाएं श्रम विभाग की के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन प्रस्तुत कर सकते हैं। पुरस्कार से संबंधित नियम, पात्रता, प्रक्रिया एवं आवेदन प्रपत्र भी इसी वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

सुरक्षित कार्य संस्कृति को मिलेगा प्रोत्साहन

श्रम यशस्वी पुरस्कार श्रम के क्षेत्र में उत्कृष्टता, श्रमिक सुरक्षा और स्वस्थ कार्य संस्कृति को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। पुरस्कार के माध्यम से उन श्रमिकों एवं संस्थाओं के प्रयासों को सार्वजनिक पहचान मिलेगी, जो कार्यस्थल पर सुरक्षा मानकों को मजबूत करने, श्रमिकों के स्वास्थ्य की रक्षा करने और सुरक्षित कार्य वातावरण के निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दे रहे हैं।

हाई स्कूल अजिरमा में सेवा संकल्प अभियान के तहत वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

अम्बिकापुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत आज हाई स्कूल अजिरमा में विशेष वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पर्यावरण संरक्षण और हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से आयोजित कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साह के साथ पौधे लगाए और उनकी देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत विद्यालय के प्राचार्य और शिक्षकों के नेतृत्व में हुई। इस दौरान विभिन्न प्रकार के फलदार और छायादार पौधे रोपे गए। कार्यक्रम को सफल बनाने में वन परिक्षेत्र अंबिकापुर के सर्कल स्टाफ की विशेष उपस्थिति रही।

सेवा संकल्प अभियान के तहत सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चला स्वच्छता अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनप्रतिनिधि के रूप में जनसेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने और उनके जन्मदिन के अवसर पर रामानुजनगर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में स्वच्छता अभियान का आयोजन किया गया। प्रशासनिक अमले और भाजपा पदाधिकारियों ने मिलकर अस्पताल परिसर की सफाई की। नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में और 2014 से देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र प्रथम की भावना से काम करते हुए 25 वर्ष पूरे किए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक मनाया जा रहा है। एक माह तक स्वच्छता, स्वास्थ्य, रक्तदान सहित अनेक जनसेवा कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इसी क्रम में आज रामानुजनगर में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ स्वास्थ्य केंद्र की साफ-सफाई से किया गया। कार्यक्रम में एसडीएम अजय मोडियम, जनपद सीईओ आर एस सेंगर, बीएमओ डॉ प्रियंका शर्मा, बीपीओ रविनाथ तिवारी, बीआरसी विजय साहू, भाजपा मंडल अध्यक्ष पवन सिंह, महामंत्री सौभाग्य दुबे, शिवदयाल सिंह, उपाध्यक्ष सुंदर लाल सिंह, युवा मोर्चा अध्यक्ष संजीव गुप्ता, सरपंच राम सिंह, उप सरपंच दशरथ गुप्ता सहित बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि और नागरिक उपस्थित रहे।

पीएमएवाई शहरी 1.0 के 5170 में से 4405 आवास पूर्ण, आयुक्त ने 25 सितंबर तक निर्माण पूरा करने के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर। प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी 1.0 की प्रगति को लेकर नगर पालिक निगम अंबिकापुर में आयुक्त विनय कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में योजना की प्रगति, निमार्णाधीन आवासों तथा लंबित प्रकरणों पर समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि नगर पालिक निगम अंबिकापुर में पीएमएवाई-यू 1.0 के अंतर्गत कुल 5170 आवास स्वीकृत किए गए हैं।इनमें से 4405 आवास पूर्ण हो चुके हैं तथा 328 आवास निमार्णाधीन हैं। शेष 437 हितग्राहियों के आरआरसी प्रकरणों में रिकवरी की कार्रवाई की जा रही है, जिसके लिए संबंधित प्रकरण तहसील कार्यालय को भेजे जा चुके हैं। शासन के निदेर्शानुसार पीएमएवाई-यू 1.0 के अंतर्गत सभी स्वीकृत आवासों का निर्माण 25 सितंबर 2026 तक पूर्ण किया जाना है। साथ ही हितग्राहियों को देय भुगतान से संबंधित समस्त प्रक्रिया 30 सितंबर 2026 तक पूर्ण की जानी है। निर्धारित समय-सीमा के बाद योजना अंतर्गत हितग्राहियों को भुगतान नहीं किया जाएगा। आयुक्त अग्रवाल ने निमार्णाधीन आवासों को प्राथमिकता के साथ पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं मैदानी अमले को हितग्राहियों से सतत संपर्क बनाए रखने तथा आवास निर्माण में आ रही समस्याओं का त्वरित निराकरण सुनिश्चित करने कहा। साथ ही हितग्राहियों को आवश्यक

तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराने के निर्देश दिए । उन्होंने आवास निर्माण की नियमित मॉनिटरिंग एवं स्थल निरीक्षण करते हुए लंबित कार्यों की निरंतर समीक्षा करने तथा निर्धारित लक्ष्य को समय-सीमा में पूर्ण कराने के निर्देश दिए। जोन इंजीनियर, सिएलटीसी, आर्किटेक्ट एवं सर्वेयर को अपने-अपने क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य करते हुए हितग्राहियों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए कहा। बैठक में आरआरसी से संबंधित 437 हितग्राहियों के प्रकरण तहसील कार्यालय को भेजे जाने की समीक्षा की गई। वहीं निमार्णाधीन आवासों से संबंधित हितग्राहियों को शीघ्र निर्माण कार्य पूर्ण कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिए गए। उन्होंने सभी संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए शासन द्वारा निर्धारित समय-सीमा में पीएमएवाई-यू 1.0 के लक्ष्यों को पूर्ण करने के निर्देश दिए। बैठक में नोडल अधिकारी राजेश कुमार राम, सहायक अभियंता सहित सभी जोन इंजीनियर, सिएलटीसी, आर्किटेक्ट, सर्वेयर एवं संबंधित कर्मचारी उपस्थित रहे।

स्वच्छता का संदेश लेकर आगे आए छात्र, रामानुजनगर स्कूल में चला सफाई अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रामानुजनगर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, छत्तीसगढ़, रायपुर के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के निर्देशन में आज शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में स्वच्छता एवं सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य पीसी सोनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ ।इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय प्रांगण की साफ-सफाई की गई। क्लब प्रभारी गोपाल सिंह ने विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे को स्त्रोत पर ही अलग करने, पुनः उपयोग,

पुनर्चक्रण एवं जैविक कचरे से खाद तैयार करने के संबंध में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान चार-कूड़ेदान व्यवस्था का प्रदर्शन, स्वच्छता पर आधारित निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण की शपथ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को गीले, सूखे, सैनिटरी एवं विशेष देखभाल वाले कचरे को अलग-अलग रखने तथा खुले में कचरा न फेंकने के लिए जागरूक किया गया। प्राचार्य पीसी सोनी ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विद्यालय में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का समापन 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में किया जाएगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं विद्यार्थियों का सक्रिय सहयोग रहा।

सम्पादकीय

धरती के लिए खतरा बढ़ा रही अंतरिक्ष में हथियारों की आहट

अमेरिका ने पहली बार सार्वजनिक रूप से यह स्वीकार किया है कि उसने अंतरिक्ष में हथियार तैनात कर रखे हैं। अमेरिकी वायुसेना के सचिव ट्रॉय मिंक का यह खुलासा ऐसे समय हुआ है, जब अमेरिका, रूस और चीन के बीच अंतरिक्ष में रणनीतिक बढ़त हासिल करने की होड़ लगातार तेज हो रही है। सवाल इसलिए केवल यह नहीं है कि अमेरिका ने अंतरिक्ष में कौन से हथियार तैनात किए हैं, बल्कि यह भी है कि इस खुलासे का समय क्या संकेत देता है? क्या यह ईरान और पश्चिम एशिया में चल रहे घटनाक्रम से दुनिया का ध्यान हटाने की कोशिश है या फिर अंतरिक्ष में हथियारों की होड़ के एक नए दौर का सार्वजनिक ऐलान? अमेरिकी अधिकारी ने यह तो कहा कि ऑर्बिट में मौजूद हथियार जरूरत पड़ने पर अमेरिकी सैनिकों और अंतरिक्ष प्रणालियों को दुश्मन के हमले से बचाने के लिए इस्तेमाल किए जा सकते हैं, लेकिन यह नहीं बताया कि ये हथियार किस प्रकार के हैं, कितने हैं और इन्हें कब अंतरिक्ष में भेजा गया। यही गोपनीयता इस पूरे घटनाक्रम को और गंभीर बनाती है। आज के युद्ध में सैटेलाइट किसी देश की आंख, कान और संचार व्यवस्था की रीढ़ बन चुके हैं। सेना इनके जरिए संपर्क बनाए रखती है, दुश्मन की गतिविधियों पर नजर रखती है, मिसाइलों की चेतावनी हासिल करती है और अपने सैनिकों तथा हथियारों की स्थिति का पता लगाती है। इसलिए अंतरिक्ष पर नियंत्रण का अर्थ धीरे-धीरे युद्ध के मैदान पर बढ़त हासिल करने से जुड़ता जा रहा है। अमेरिका लंबे समय से रूस और चीन की अंतरिक्ष सैन्य क्षमताओं को लेकर चिंता जताता रहा है। रूस के अंतरिक्ष में परमाणु क्षमता विकसित करने की आशंकाओं को लेकर भी अमेरिका चिंता जाहिर करता रहा है, हालांकि मॉस्को इन आरोपों से इनकार करता है। दूसरी ओर, चीन भी अपनी सैन्य आधुनिकीकरण नीति के तहत अंतरिक्ष और एंटी-सैटेलाइट तकनीक में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में अमेरिका का यह कहना कि उसके पास भी ऑर्बिट में हथियार मौजूद हैं, सुरक्षा की मजबूरी के रूप में पेश किया जा सकता है। समस्या यह है कि एक देश की सुरक्षा दूसरे देश के लिए खतरा बन सकती है। परिणाम वही होगा जो दुनिया ने परमाणु हथियारों की होड़ में देखा। सुरक्षा के नाम पर शुरू हुई प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे असुरक्षा को बढ़ाती चली गई। इस घटनाक्रम का सबसे चिंताजनक पहलू यही है कि अंतरिक्ष अब केवल वैज्ञानिक अनुसंधान, संचार और मानव प्रगति का क्षेत्र नहीं रह गया है। वह तेजी से सैन्य रणनीति का नया मोर्चा बन रहा है। यदि किसी बड़े संघर्ष में सैटेलाइटों को निशाना बनाया गया तो उसका असर केवल सैनिक अभियानों तक सीमित नहीं रहेगा। नेविगेशन, विमानन, समुद्री परिवहन, मौसम पूर्वानुमान, आपदा प्रबंधन, दूरसंचार और वित्तीय सेवाओं तक पर असर पड़ सकता है। अंतरिक्ष में मुठभेड़ हुई तो उसकी कीमत धरती पर आम आदमी चुका सकता है। यहीं 1967 की आउटर स्पेस ट्रीटी की प्रासंगिकता सामने आती है। इस संधि ने पृथ्वी की कक्षा में परमाणु हथियारों और सामूहिक विनाश के अन्य हथियारों की तैनाती पर रोक लगाई थी। लेकिन इसमें पारंपरिक हथियारों के अंतरिक्ष में इस्तेमाल पर वैसी स्पष्ट और व्यापक रोक नहीं है। अमेरिका का ताजा खुलासा इसलिए दुनिया के लिए चेतावनी है कि अंतरिक्ष को युद्ध का नया मैदान बनने से रोकने के लिए मौजूदा अंतरराष्ट्रीय नियम पर्याप्त नहीं हैं। दुनिया को अब यह तय करना होगा कि अंतरिक्ष में कौन-सी सैन्य गतिविधियां स्वीकार्य होंगी और कौन-सी नहीं।

ऊर्जा जरूरत और अर्थव्यवस्था पर असर

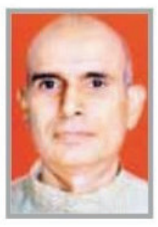

पश्चिम एशिया संकट
अखिलेश आर्येन्दु

तेल की कीमत 100 डालर के पार पहुंच गई है, जिसका असर दुनियाभर में साफ-साफ दिखाई दे रहा है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए इसका अर्थ है-ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती, रुपये पर दबाव, महंगाई का जोखिम और आयात बिल में वृद्धि। जैसे-जैसे सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं। सवाल खड़ा किया जा रहा है कि क्या भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा सुरक्षा इतनी अधिक आयातित तेल पर निर्भर रह सकती है? पश्चिम एशिया में संघर्ष और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यवधान ने तेल की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए बड़ी है क्योंकि देश अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है।

पश्चिम एशिया संकट सुलझता हुआ दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका पीछे हटने को तैयार नहीं है और न ईरान ही। ऐसा लग रहा है कि यह युद्ध रूस-यूक्रेन जैसा लम्बा खिंचेगा। तेल की कीमत 100 डालर के पार पहुंच गई है, जिसका असर दुनियाभर में साफ-साफ दिखाई दे रहा है। भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए इसका अर्थ है-ऊर्जा सुरक्षा के लिए बड़ी चुनौती, रुपये पर दबाव, महंगाई का जोखिम और आयात बिल में वृद्धि। जैसे-जैसे सैन्य तनाव बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे तमाम तरह की समस्याएं बढ़ रही हैं।

सवाल खड़ा किया जा रहा है कि क्या भारत की बड़ी अर्थव्यवस्था की ऊर्जा सुरक्षा इतनी अधिक आयातित तेल पर निर्भर रह सकती है? पश्चिम एशिया में संघर्ष और महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों पर व्यवधान ने तेल की आपूर्ति को लेकर चिंता बढ़ा दी है। भारत के लिए यह चिंता इसलिए बड़ी है क्योंकि देश अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। ऐसे में तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत में हर उछाल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए चुनौती लेकर आता है। तेल केवल पेट्रोल पंप पर बिकने वाला ईंधन नहीं है, इसका संबंध अर्थव्यवस्था के तकरीबन हर क्षेत्र से है। परिवहन, कृषि, विमानन, पेट्रोकेमिकल उद्योग में कच्चे तेल से बनने वाले उत्पादों का इस्तेमाल होता है। प्लास्टिक, रसायन, सिंथेटिक फाइबर और अनेक औद्योगिक वस्तुओं की लागत भी ऊर्जा कीमतों से जुड़ी होती है। इसलिए कच्चे तेल की कीमत बढ़ने का असर धीरे-धीरे ही सही, हर क्षेत्र में दिखाई देता है। सबसे पहले आयात बिल बढ़ता है। इसके बाद डालर की मांग बढ़ती है और रुपये पर दबाव बढ़ जाता है। रुपया लगातार प्रतिदिन गिर रहा है। रुपया कमजोर होने पर भारत में आयातित तेल और महंगा हो जाता है। यानी भारत के सामने दोहरा दबाव पैदा हो जाता है- अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल महंगा और डालर के मुकाबले रुपया कमजोर। रुपया कमजोर होने का मतलब डालर की मांग बढ़ना और आयात की हुई हर वस्तु की कीमत अधिक चुकता करना। महंगाई बढ़ने की बड़ी वजह रुपये का लगातार कमजोर होते जाना है। इसलिए एशिया संकट जितनी जल्दी खत्म होगा, भारत के लिए उतना ही अच्छा होगा। पश्चिम एशिया में तेल की कीमतों का लगातार बढ़ते जाने के बावजूद भारत में उस तरह की महंगाई का दौर नहीं आया, जैसे दुनिया के दूसरे देशों में देखने में आया और अभी भी बना हुआ है। सवाल यह है कि तेल के दाम बढ़ते जाने के असर से भारत में वस्तुओं के दाम स्थिर बनाए रखना क्या हर स्थिति में संभव होगा? अर्थशास्त्रियों के अनुसार दुनिया में तेल संकट के बाद भी भारत में महंगाई उस दर से नहीं बढ़ी, जैसे भारत के पड़ोसी देशों में बढ़ी। इसकी वजह है भारत के पास दुनिया की बड़ी रिफाइनिंग क्षमता वाला सुरक्षा कवच का होना। इस सुरक्षा कवच के कारण कच्चा तेल आयात करके उसे पेट्रोल, डीजल, विमानन ईंधन और दूसरे पेट्रोलियम उत्पाद में बदल सकता है। दूसरी बात, भारत ने रूस सहित अलग-अलग देशों से तेल खरीदकर पिछले वर्षों में अपने आयात स्रोतों को भी विधिवत बनाया है, लेकिन यह सुरक्षा कवच बहुत लम्बे समय तक सुरक्षा नहीं दे सकता है। यदि तेल आयात पूरी तरह ठप हो जाए तो भारत के सामने ऊर्जा के दूसरे विकल्पों का इस्तेमाल करने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इसलिए

अभी से ही विकल्पों को दुरुस्त करना होगा। सवाल यह है कि क्या रूस पर निर्भरता ऊर्जा समस्या का समाधान है या असली समाधान के लिए वैकल्पिक ऊर्जा पर निर्भरता बढ़ाना समाधान है? पश्चिम एशिया संकट के बीच अक्सर कहा जाता है कि भारत को अपने सबसे विश्वसनीय मित्र रूस से अधिक तेल खरीदना चाहिए बजाय मध्य-पूर्व देशों से। जानकारों के अनुसार रूस पर निर्भरता कुछ हद तक ही ठीक है।

एक देश पर निर्भरता के बजाय भारत को चाहिए कि वह अनेक स्रोतों और अनेक तकनीकों के संतुलित मिश्रण को अपनाए। यानी स्थायी समाधान भारत को मुकम्मल रूप से खुद तैयार करना होगा। हर तेल संकट भारत को एक ही संदेश देता है-तेल आयात पर निर्भरता कम करनी होगी। इसके लिए केंद्र सरकार लगातार वैकल्पिक ऊर्जा का विस्तार कर रही है। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में लगातार विस्तार कर रही है। गैर-जीवाश्म ऊर्जा क्षमता में तेजी से वृद्धि हुई है। केवल सौर पैनल लगा देने से तेल समस्या खत्म नहीं होगी। अभी गैर-जीवाश्म ऊर्जा से चलने वाले वाहनों की संख्या बहुत कम है। गैर जीवाश्म ऊर्जा से चलने वाले दो और चार पहिया वाहनों की खरीदारी बढ़ी तो है, लेकिन उतनी नहीं, जिससे तेल संकट के वक्त काम आ सकें। इसी तरह सार्वजनिक परिवहनों, रेलवे का विद्युतीकरण, ऊर्जा-कुशल माल ढुलाई जैसे विकल्प बढ़े हैं, लेकिन यह बहुत कम हैं। इसके लिए बैटरी भंडारण और ग्रिड क्षमता को बढ़ाने की जरूरत है। ठंडक के दिनों में कोहरा छाए रहने, बरसात में कई दिनों तक बादल छाए रहने पर सौर ऊर्जा कम प्राप्त हो पाती है। हालिया ऊर्जा समस्या के समाधान में केंद्र सरकार ने कोयले और तेल पर निर्भरता कम करने के लिए परमाणु, सौर, पवन, जलविद्युत, बैटरी भंडारण और हरित हाइड्रोजन जैसे विविध स्रोतों पर निर्भरता बढ़ाने का कार्य किया है। इससे ऊर्जा सुरक्षा को लेकर होने वाली चिंताओं में राहत दिखाई दी है। हाल में यह बताया गया कि तेल संकट के साथ देश में बिजली संकट भी बढ़ सकता है, क्योंकि मांग की अपेक्षा आपूर्ति नहीं हो पा रही है। आज की तारीख में देश के 59 कोयला आधारित बिजली संयंत्रों में कोयले का भंडार बेहद कम है। आज की रिपोर्ट के अनुसार इन संयंत्रों के पास या तो निर्धारित स्टाक का 25 प्रतिशत से कम था या तीन दिन से कम उत्पादन जितना कोयला उपलब्ध था। बिजली की मांग करीब 267 गेगा वाट पहुंची और रिकार्ड 270 गेगा वाट के आसपास बनी हुई है। अब जब कि तेल, कोयला दोनों का संकट बढ़ रहा है, देश को ऊर्जा सुरक्षा मिशन की जरूरत बढ़ गई है। अब केंद्र सरकार को ऐसी ऊर्जा नीति बनानी होगी, जो किसी भी संकट के वक्त सुरक्षा कवच के रूप में मौजूद रहे। पहला लक्ष्य यह होना चाहिए कि तेल आयात पर धीरे-धीरे निर्भरता कम की जाए। दूसरी नीति रणनीतिक रूप से पेट्रोलियम भंडार को बढ़ाया जाए। तीसरी सुरक्षा यह होनी चाहिए कि एलपीजी और प्राकृतिक गैस की आपूर्ति के वैकल्पिक मार्ग विकसित किए जाएं। चौथी सुरक्षा इलेक्ट्रोलिकल सार्वजनिक परिवहन को तेज गति से बढ़ाया जाए जैसे दिल्ली सरकार ने किया है। पांचवीं सुरक्षा बैटरी स्टोरेज और राष्ट्रीय बिजली ग्रिड को मजबूत किया जाए। छठे सुरक्षा के रूप में परमाणु ऊर्जाऔर नवीकरणीय ऊर्जा के संतुलित विस्तार को बढ़ाया जाए और ऊर्जा आयात के लिए एक ही क्षेत्र पर अत्यधिक निर्भरता धीरे-धीरे कम की जाए। बढ़ते ऊर्जा संकट में केंद्र सरकार बड़ी सावधानी से आगे बढ़ रही है। उम्मीद की जानी चाहिए कि तेल और गैस संकट से भारत अपने वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों का बेहतर इस्तेमाल कर उबर जाएगा और ऐसा संकट नहीं आएगा कि जनता त्राहि-त्राहि करने लगेगी।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

विश्व ओजोन दिवस
रोहित कौशिक

नया शोध, नई जानकारी लेकिन खतरा टला नहीं

विकास एक लगातार चलने वाली प्रक्रिया है। यही कारण है कि विश्व के ज्यादातर देश किसी न किसी रूप से विकास कर रहे हैं। जीवन स्तर सुधारने के लिए विकास की यह प्रक्रिया सुखद है, लेकिन क्या इस विकास से सच्चे अर्थों में हमारा जीवन स्तर सुधर पाया है? भौतिक रूप से देखें तो निश्चित रूप से हमारा जीवन स्तर सुधरा है, लेकिन विकास की इस प्रक्रिया ने हमारे पर्यावरण को भारी क्षति पहुंचाई है। इसका असर न केवल प्रकृति के स्वास्थ्य बल्कि हमारे स्वास्थ्य पर भी पड़ा है। इस दृष्टि से देखें तो हमारा जीवन स्तर सुधरा नहीं है, अपितु खराब ही हुआ है। विकास की इस प्रक्रिया ने प्रकृति को कई जख्म दिए है। प्रकृति के इन जख्मों ने इंसान के स्वास्थ्य पर बहुत ज्यादा प्रभाव डाला है। विभिन्न तरह से हमारी रक्षा करने वाली ओजोन परत का क्षरण भी विकास की अंधाधुंध प्रक्रियाओं का ही नतीता है। समय-समय पर ओजान परत को लेकर कई अध्ययन प्रकाशित होते रहते हैं। दरअसल, ओजोन परत पृथ्वी के वातावरण की एक महत्वपूर्ण है। यह परत हमें सूर्य की हानिकारण पैराबैंगनी किरणों से बचाती है। 1980 के दशक में वैज्ञानिकों को पता चला था कि यह परत तेजी से पतली हो रही है। मुख्य रूप से अंटार्कटिका के ऊपर एक ओजोन छेद बन रहा था। वैज्ञानिकों ने बताया था कि इसका मुख्य कारण क्लोरोफ्लोरोकार्बन जैसे रसायन हैं जो फ्रिज, एयरकंडीशनर और स्प्रे उत्पादों में इस्तेमाल किए जाते हैं। अब एक नए अध्ययन में बताया गया है कि ओजोन परत का क्षरण 1985 में अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र की खोज से बहुत पहले ही शुरू हो चुका था। मैसाचुसेट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एमआईटी) ने अपने नए अध्ययन में दावा किया है कि अगर आज जैसी उन्नत निगरानी तकनीकें पहले उपलब्ध होतीं तो वैज्ञानिक ओजोन क्षरण के संकेत 1957 में ही पकड़ सकते थे। इसका अर्थ यह है कि ओजोन छिद्र की खोज से लगभग तीन दशक पहले ही इस सुरक्षात्मक परत को नुकसान होना शुरू हो चुका था।

अब तक मुख्य रूप से क्लोरोफ्लोरोकार्बन को ही ओजोन परत के शुरुआती क्षरण के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है, लेकिन बताया गया है कि क्लोरोफ्लोरोकार्बन नहीं बल्कि कार्बन टेट्राक्लोराइड नाम का एक औद्यागिक रयासन ओजोन परत के क्षरण के लिए जिम्मेदार था। दरअसल, लगातार हो रहे वैज्ञानिक अनुसंधानों का सबसे बड़ा लाभ यही है कि नई-नई जानकारियां सामने आती रहती है। ऐसे अध्ययनों में कई बार पिछले अध्ययनों को नकार भी दिया जाता है। यही विज्ञान की सबसे बड़ी ताकत है। विज्ञान की इसी ताकत के बल पर नए आविष्कार होते हैं और नया शोध प्रमाण के साथ सामने आता है। ओजोन परत पर हुए इस नए अध्ययन के नतीजे प्रतिष्ठित जर्नल प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज (पीएनएएस) में प्रकाशित हुए हैं। कार्बन टेट्राक्लोराइड 1930 के दशक से ही ड्राईक्लीनिंग और मशीनों की सफाई में चिकनाई हटाने वाले सॉल्वेंट के रूप में इस्तेमाल हो रहा था। बर्फ की गहराइयों से निकाले गए आइस कोर नमूनों में भी इसके निशान मिले। यही रसायन ओजोन परत का शुरुआती क्षरण कर रहा था। हालांकि, अब कार्बन टेट्राक्लोराइड का इस्तेमाल दुनिया के कई हिस्सों में बंद किया जा चुका है। अब कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि ओजोन परत का क्षरण कम हुआ है। इस दौर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। विभिन्न देशों की सरकारें भी इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा रही हैं। हालांकि पर्यावरण के मुद्दे पर अभी भी कई देशों का व्यवहार खोखले आदर्शवाद की परिधि में आता है। यह तो मानना ही पड़ेगा कि इस दौर में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है और इस दिशा में कुछ काम भी हो रहा है। यही कारण है कि आज ओजोन परत की स्थिति में सुधार हुआ है। ओजोन परत की दशा सुधारने के लिए कई तरीके के उपाय किए गए। यह भी कटु सत्य है कि पर्यावरण के विभिन्न मुद्दों पर होने वाली वैश्विक संगोष्ठियों में कई बार अपेक्षित निर्णय नही लिए जाते। अनेक बार कई तरह के विरोधाभास भी उभर आते हैं, लेकिन इन सब विसंगतियों के बावजूद जब बार-बार ऐसे मुद्दों पर चर्चा होती है तो कुछ सार्थक परिणाम भी सामने आते ही हैं। इन परिणामों का ही यह नतीजा है कि आज ओजोन परत की स्थिति में सुधार हुआ है। हालांकि इस सुधार के आधार पर यह मान लेना कि खतरा पूरी तरह टल गया है, उचित नहीं है। हमें इस दिशा में लगातार प्रयास करने होंगे। अगर इन प्रयासों में कहीं भी कमी हुई तो ओजोन परत के क्षरण का खतरा पुनः पैदा हो सकता है। हमें यह समझना होगा कि ओजोन परत को संरक्षित करना जिंदगी के लिए बहुत जरूरी है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मनुष्य इंद्रिय विषयों में करता है आनंद अनुभव

संकलित
दर्शन

भक्ति विभिन्न रूपों में प्रकाशित होती है। पहला है श्रद्धा। लोग मंदिरों और पवित्र स्थानों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि वहां भगवान की पूजा होती है, ऐसे स्थानों में उनकी सत्ता अधिक अनुभूति होती है। प्रत्येक देश में लोग धर्माचार्यों के प्रति श्रद्धा इसलिए प्रकट करते हैं, क्योंकि ये आचार्य उन्हीं भगवान की महिमा का उपदेश देते हैं। इस श्रद्धा का मूल है प्रेम। हम जिससे प्रेम नहीं करते, उसके प्रति कभी श्रद्धालु नहीं हो सकते। इसके बाद है प्रीति अर्थात ईश्वर चिंतन में आनंद। मनुष्य इंद्रिय विषयों में तीव्र आनंद अनुभव करता है। इंद्रियों को अच्छी लगने वाली चीजों के लिए वह भटकता फिरता है और बड़ा से बड़ा जोखिम उठाने के लिए तैयार रहता है। भक्त को चाहिए कि वह भगवान के प्रति इसी प्रकार का तीव्र प्रेम रखे। इसके उपरांत आता है विरह। विरह प्रेमास्पद के अभाव में उत्पन्न होने वाला तीव्र दुख। यह दुख संसार के समस्त दुखों में सबसे मधुर है। जब मनुष्य भगवान को न पा सकने के कारण, संसार में एकमात्र जानने योग वस्तु को न जान सकने के कारण तीव्र वेदना अनुभव करने लगता है और अत्यंत व्याकुल हो पागल-सा हो जाता है, उस दशा को विरह कहते हैं। मन की ऐसी दशा में प्रेमास्पद को छोड़ उसे और कुछ अच्छा नहीं लगता। बहुधा यह विरह सांसारिक प्रणय में देखा जाता है। जब पराभक्ति हृदय पर अपना प्रभाव जमा लेती है तो अन्य अप्रिय विषयों की उपस्थिति हमें खटकने लगती है, यहां तक कि प्रेमास्पद भगवान के अतिरिक्त अन्य किसी विषय पर बातचीत तक कहना हमारे लिए अरुचिकर हो जाता है।

मैं भी मेला देखने जाऊंगी

संकलित
प्रेरणा

एक गांव में मां-बेटी रहती थीं। एक दिन वह अपनी मां से कहने लगी कि गांव के सब लोग गणेश मेला देखने जा रहे हैं, मैं भी मेला देखने जाऊंगी। मां ने कहा कि वहां बहुत भीड़ होगी कहीं गिर जाओगी तो चोट लगेगी। लड़की ने मां की बात नहीं सुनी और मेला देखने चल पड़ी। मां ने जाने से पहले बेटी को दो लड्डू दिए और एक घंटी में पानी दिया। मां ने कहा कि एक लड्डू तो गणेश जी को खिला देना और थोड़ा पानी पिला देना। दूसरा लड्डू तुम खा लेना और बचा पानी भी पी लेना। लड़की मेले में चली गई। मेला खत्म होने पर सभी गांववाले वापिस आ गए लेकिन लड़की वापस नहीं आई। लड़की मेले में गणेश जी के पास बैठ गई और कहने लगी कि एक लड्डू और पानी गणेश जी तुम्हारे लिए और एक लड्डू और बाकी बचा पानी मेरे लिए। इस तरह कहते-कहते सारी रात बीत गई। गणेश जी यह देखकर सोचने लगे कि अगर मैने यह एक लड्डू और पानी नहीं पीया तो यह अपने घर नहीं जाएगी। यह सोचकर गणेश जी एक लड़के के वेश में आए और उससे एक लड्डू लेकर खा लिया और साथ ही थोड़ा पानी भी पी लिया फिर वह कहने लगे कि मांगों तुम क्या मांगती हो? वह मन में सोच रही थी तो गणेश जी उसके मन की बात को जान गए। वह लड़की से बोले कि तुम अपने घर जाओ और तुमने जो भी मन में सोचा है वह सब तुम्हें मिलेगा। लड़की घर पहुंची तो मां ने पूछा कि इतनी देर कैसे हो गई? बेटी ने कहा कि आपने जैसा कहा था मैंने वैसा ही किया है और देखते ही देखते जो भी लड़की ने सोचा था वह सब कुछ हो गया।

अंतर्मन

आज की पाती

युवाओं के हौसले का विजयघोष

आज का भारत उस दौर से गुजर रहा है, जहां प्रतिभा किसी बड़े शहर, संपन्न परिवार या महंगे संसाधनों की मोहताज नहीं रह गई है। देश के छोटे कस्बों, गांवों और सामान्य परिवारों से निकलकर युवा अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास के दम पर दुनिया के मंच पर भारत का नाम रोशन कर रहे हैं। तीरंदाज धीरज बोम्मादेवरा की विश्व कप फाइनल में स्वर्णिम सफलता इसी बदलते भारत और उसके युवाओं के बढ़ते हौसले का जीवंत उदाहरण है। यह केवल एक खिलाड़ी की जीत नहीं, बल्कि उन लाखों युवाओं के सपनों की जीत है, जो सीमित साधनों के बावजूद बड़ा लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं। मैक्सिको के साल्टिलो में तीरंदाजी विश्व कप फाइनल के पुरुष व्यक्तिगत रिकर्व वर्ग में धीरज ने जापान के जुन्या नाकानिशी को रोमांचक मुकाबले में शूट ऑफ के जरिए हराकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया। *- गीता चाहर, हिसार*

ट्रेंड

डिफेंस स्टार्टअप्स

भारत में डिफेंस स्टार्टअप्स की एक नई लहर उठ रही है। ये स्टार्टअप्स ड्रोन टेक्नोलॉजी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और साइबर सिक्योरिटी जैसे क्षेत्रों में आधुनिक डिफेंस सेक्टर को एक नई दिशा दे रहे हैं। आज का इनोवेशन ही कल की मिलिट्री क्षमता है। - **राजनाथ सिंह,** रक्षा मंत्री

सेवा संकल्प अभियान

'सेवा संकल्प अभियान' इस साल इसलिए भी खास है क्योंकि 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी और तब से वे लगातार 25 सालों से जनसेवा में समर्पित हैं। - **जगत प्रकाश नड्डा,** केंद्रीय स्वास्थ्यमंत्री

शिक्षा सिस्टम

भारत का शिक्षा सिस्टम उसी पीढ़ी को निराश कर रहा है जिसे उसे ऊपर उठाना था। पेपर लीक होना। बहुत ज्यादा फ़ीस। खस्ताहाल इंफ्रास्ट्रक्चर। लाखों युवा भारतीय ईमानदारी से काम करते हैं, फिर भी सिस्टम उन्हें निराश करता है। - **राहुल गांधी,** सांसद, कांग्रेस

लोकतंत्र दिवस

लोकतंत्र के इस अंतरराष्ट्रीय दिवस पर, हमें खुद को यह याद दिलाना चाहिए कि 'हम, भारत के लोग' ही लोकतंत्र की असली नींव और आत्मा हैं। सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह इस तरह काम करे जिससे लोगों का कल्याण हो। जो लोकतंत्र अपने लोगों की बात नहीं सुनता, वह लोकतंत्र नहीं है। **-अरविंद केजरीवाल,** पूर्व सीएम, नई दिल्ली

करंट अफेयर

बांग्लादेश व चीन ने प्रस्तावित आर्थिक गलियारे पर की चर्चा

चीन के राजदूत याओ वेन ने बांग्लादेश की कनिष्ठ विदेश मंत्री शमा ओबैद इस्लाम से मुलाकात की तथा उन्होंने ढाका को म्यांमा और चीन से जोड़ने वाले प्रस्तावित आर्थिक गलियारे के संबंध में सहयोग पर चर्चा की। स्थानीय मीडिया की खबर में यह जानकारी दी गई। विदेश मंत्रालय का हवाला देते हुए बांग्लादेश की सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' ने बताया कि सोमवार को मंत्री के कार्यालय में यह बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने बुनियादी ढांचा, ऊर्जा, मानव संसाधन विकास और आर्थिक सहयोग पर भी चर्चा की। प्रस्तावित आर्थिक गलियारा का मकसद म्यांमा के रास्ते बांग्लादेश और दक्षिण-पश्चिमी चीन के बीच कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है। यह पूर्व में प्रस्तावित बांग्लादेश-चीन-भारत-म्यांमा (बीसीआईएम) आर्थिक गलियारा से अलग है। इस प्रस्तावित गलियारे से बीजिंग को बंगाल की खाड़ी तक व्यापार और कनेक्टिविटी का एक अतिरिक्त रास्ता मिल सकता है। खबर के अनुसार, दोनों पक्षों ने रंगपुर में 1,000 बिस्तरों वाले प्रस्तावित अस्पताल, शिक्षा और मानव-संसाधन विकास, दोनों देशों की जनता के स्तर पर संपर्क, ऊर्जा के क्षेत्र में सहयोग और महिला सशक्तीकरण पर भी चर्चा की।

ऑफ बीट

एआई से बढ़ी वित्तीय धोखाधड़ी सावधानी बरतने की जरूरत

फोन की घंटी बजती है और दूसरी तरफ आपके पोते की घबराई हुई आवाज सुनाई देती है। वह बताता है कि उसके साथ दुर्घटना हो गई है और उसे तत्काल पैसों की जरूरत है। आवाज पोते की आवाज जैसी ही होती है लेकिन पोते की आवाज नहीं होती। यह कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार की गई आवाज होती है, जिसे इंटरनेट पर उपलब्ध किसी वीडियो या ऑडियो क्लिप से तैयार किया गया है। कई वर्षों से कृत्रिम बुद्धिमत्ता और साइबर सुरक्षा को लेकर चेतावनियों का केंद्र कॉरपोरेट नेटवर्क और सरकारी प्रणालियां रही हैं। हालांकि, ये खतरे वास्तविक हैं, लेकिन अमेरिकी संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के धोखाधड़ी संबंधी आंकड़ों से एक अलग तस्वीर सामने आती है—घरेलू खातों से बड़ी मात्रा में धन निकल रहा है। एफबीआई की 2025 की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, उसकी इंटरनेट क्राइम कंप्लेंट सेंटर (आईसी3) इकाई ने पहली बार एआई से जुड़े मामलों को अलग से दर्ज करना शुरू किया। अमेरिकियों ने ऐसे 22,000 से अधिक मामले दर्ज कराए और करीब 89.3 करोड़ अमेरिकी डॉलर के नुकसान की सूचना दी। इनमें से 63.2 करोड़ डॉलर का नुकसान निवेश संबंधी धोखाधड़ी में हुआ जबकि 60 वर्ष से अधिक आयु के लोगों को 35.2 करोड़ डॉलर का नुकसान हुआ।

छत्तीसगढ़ राजपत्र दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मै लोहसांया नागफ (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी बुढिया साय, शहर/गाँव- कुकरगाँव तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम लौहसार्या नागफ (पुराना नाम) से बदल कर लोहर साथ नाग (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं डेनियल लकदा (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी जेवियर लकडा, शहर/गाँव- मठपहाड चिकनीपानी जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम डेनियल लकदा (पुराना नाम) से बदल कर दानियल लकडा. (नया नाम) रख लिया है।

डेनियल

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं शंजय बड (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी जोसेफ बढा शहर/गाँव-टुकुपखना तहसील-पत्थलगांव, जिला- जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम शंजय बढ़ (पुराना नाम) से बदल कर संजय बडा (नया नाम) रख लिया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 16 सितम्बर 2026
प्रारूप (एक)
समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं सोनामती पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र / सुपुत्री/पत्नी

जयसिंह नाग गाँव/शहर चिकनीपानी लुडेग, तहसील-पत्थगाँव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम- सोनामती (पुराना नाम) से बदल कर सोनमती नाग (नया नाम) रख लिया है। नाबालिग पुत्री/पुत्र के नाम परिवर्तन के मामले में (अभिभावक / पालक द्वारा प्रमाणित) मैं जयसिंह नाग (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र / सुपुत्री सुकरू नह, गाँव/शहर चिकनीपानी लुडेग, तहसील-पत्थगॉव, जिला जशपुर छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम सोनामती (पुराना नाम) से बदल कर सोनमती नाग (नया नाम) रख लिया है।

माता/पिता/पालक के हस्ताक्षर

एआई को लेकर बिल गेट्स की चेतावनी

इसके विकास की गति धीमी करने में इंसानियत की भलाई

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

दिग्गत टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट के फाउंडर बिल गेट्स उन बड़े नामों की बढ़ती सूची में शामिल हो गए हैं जो इस बात पर सहमत हुए हैं कि एडवांस्ड एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के विकास की रफ्तार धीमी करने से इंसानियत का भला होगा। गेट्स फाउंडेशन की 2026 की रिपोर्ट, 'मेक दिस मैटरः एआई, इक्विटी, एंड द चॉइस वी कांट डिले' यह तर्क देती है कि एआई का भविष्य अनिश्चित है और यह तय करने का समय बहुत कम है कि किसे और कितनी जल्दी इसका लाभ मिलेगा।

बिल गेट्स

बिल गेट्स ने कहा कि एआई एक बहुत ही अनोखी टेक्नोलॉजी है। मैं उन लोगों को सावधान करना चाहता हूं जो सोचते हैं कि एआई के असर को मैनेज करना उतना ही आसान होगा जितना दूसरी टेक्नोलॉजी को मैनेज करना रहा है। जिसमें वे टेक्नोलॉजी भी शामिल है जिनसे मैं अपने माइक्रोसॉफ्ट करियर के दौरान गहराई से जुड़ा था, जैसे पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट। यह बहुत अलग है, यह बहुत गहरा असर डालने वाली चीज है।

दुनिया को तैयार होने की जरूरत

एआई की बदलती खूबियों और खुद को बेहतर बनाने की उसकी तेज रफ्तार का जिक्र करते हुए, बिल गेट्स ने संकेत दिया कि वे इस सच्चाई को मानने की ओर झुके हैं कि दुनिया एआई के इतने तेज डेवलपमेंट और उसके नतीजे को समझे बिना उसे अपनाने के लिए तैयार नहीं है। गेट्स ने कहा कि मेरे लिए यह बात बहुत हैरान करने वाली है कि अहम हम चीजों की रफ्तार धीमी कर सकें, तो हमें इस पर विचार करना चाहिए, क्योंकि हमें इतने तेजी से हो रहे बदलाव के लिए तैयार होने की जरूरत है। मैंने अपनी पूरी जिंदगी इनोवेशन को बढ़ावा दिया है। पर्सनल कंप्यूटर माइक्रो-कंप्यूटर क्रांति के अगुआ, जिन्होंने 1975 में अपने पुराने दोस्त पॉल एलन के साथ मिलकर माइक्रोसॉफ्ट की शुरुआत की थी, उसने इस चिंता को माना कि क्या एआई अब इतना स्मार्ट हो गया है कि खतरनाक साबित हो सके।

एआई को मैनेज करना आसान नहीं

बिल गेट्स ने एआई के प्रभावों को लेकर सचेत करते हुए कहा कि जो लोग सोचते हैं कि एआई के प्रभावों को संभालना उतना ही आसान होगा जितना कि पिछली तकनीकों को संभालना था, वे गलतफहमी में हैं। गेट्स ने बताया कि पर्सनल कंप्यूटर और इंटरनेट क्रांति के दौरान अपने माइक्रोसॉफ्ट करियर में उन्होंने जिस दौर को देखा है, एआई उससे पूरी तरह से अलग और बहुत ज्यादा गहरा है। एआई की तेजी से बढ़ती क्षमता और इसकी संभावित खतरनाक सीमाओं पर बात करते हुए गेट्स फाउंडेशन की 10वीं वार्षिक 'गोलकीपर्स रिपोर्ट' का भी जिक्र किया गया।

यमन के हूती विद्रोहियों का सऊदी अरब में मक्का के पास ड्रोन से हमला

भारत ने नागरिकों को खतरे में डालने वाली कार्रवाई की कड़ी निंदा की, जताया विरोध

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत मक्का के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर होने वाले हमलों की भारत निंदा करता है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई भी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है, जिससे आम लोगों की जान और जरूरी बुनियादी ढांचे को खतरा पैदा हो

मक्का के पास कथित ड्रोन हमले को लेकर भारत ने गंभीर चिंता जताई है। सऊदी अरब ने यमन स्थित हूती विद्रोहियों पर पवित्र शहर की ओर ड्रोन भेजने का आरोप लगाया है। भारत ने इस घटना की निंदा करते हुए कहा कि मक्का का दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष महत्व है। विदेश मंत्रालय ने साथ ही सऊदी अरब की जमीन पर होने वाले हमलों और नागरिकों तथा जरूरी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध दोहराया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि भारत मक्का के पास हुए ड्रोन हमले को लेकर बेहद चिंतित है। उन्होंने कहा कि सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर होने वाले हमलों की भारत निंदा करता है। भारत ने साफ किया कि ऐसी कोई भी कार्रवाई स्वीकार्य नहीं है, जिससे आम लोगों की जान और जरूरी बुनियादी ढांचे को खतरा पैदा हो। भारत ने इस घटना को मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण खास तौर पर गंभीर बताया है।

रणधीर जायसवाल

ड्रोन को हवा में रोका गया

लोगों से खुले इलाकों में जाने से बचने की अपील

मक्का, जेद्दा और ताइफ में जारी अलर्ट में लोगों से कहा गया कि वे भीड़ और खुले इलाकों में जाने से बचें। लोगों से शांत रहने और किसी भी खतरे की स्थिति में तुरंत सुरक्षित जगह जाने की अपील की गई। लोगों को घर के अंदर रहने और खिड़कियों, बालकनी, छत, कांच और खुली जगहों से दूर रहने को कहा गया है। अगर कोई व्यक्ति घर से बाहर हो, तो उसे तुरंत पास की किसी बिल्डिंग में जाने या किसी मजबूत चीज की आड़ में छिपने और खतरा टलने तक वहीं रहने की सलाह दी गई है।

घटना मक्का की विशेष धार्मिक और वैश्विक अहमियत के कारण गंभीर

शांति और स्थिरता कायम करें

भारत ने कहा कि मक्का के पास हुई घटना इसलिए भी बेहद चिंताजनक है, क्योंकि यह शहर दुनिया भर के मुसलमानों के लिए विशेष धार्मिक महत्व रखता है। विदेश मंत्रालय ने सऊदी अरब की संप्रभुता का सम्मान करने और ऐसी कार्रवाइयों से बचने पर जोर दिया है, जिनसे आम लोगों की जान को खतरा हो सकता है। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता जल्द बहाल होने की उम्मीद भी जताई है।

यमन विद्रोहियों ने भेजे ड्रोन

यह बयान ऐसे समय आया है जब सऊदी अरब ने मक्का की ओर ड्रोन भेजे जाने का आरोप यमन स्थित हूती विद्रोहियों पर लगाया है। भारत ने अपने बयान में तीन प्रमुख बातों पर जोर दिया है। पहला, मक्का के पास ड्रोन हमले की रिपोर्ट पर गहरी चिंता। दूसरा, सऊदी अरब के संप्रभु क्षेत्र पर हमलों की स्पष्ट निंदा। तीसरा, नागरिकों और बुनियादी ढांचे को खतरे में डालने वाली किसी भी कार्रवाई का विरोध। इसके साथ भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता जल्द बहाल होने की उम्मीद जताई है।

मार गिराया ड्रोन

सऊदी अरब के एयर डिफेंस सिस्टम ने मंगलवार को मक्का के दक्षिण में एक हूती ड्रोन को इंटरसेप्ट कर नष्ट कर दिया। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने बुधवार को बताया कि ड्रोन को मक्का के प्रतिबंधित हवाई क्षेत्र में दाखिल होने से पहले ही मार गिराया गया।

यूएनएससी में हूती गतिविधियों पर चर्चा

वैश्विक व्यापार के सामने एक और बड़े संकट की आशंका के बीच संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) में यमन के हूती विद्रोहियों के लाल सागर के अहम इलाकों की ओर बढ़ने को लेकर चिंता जताई गई। राजनयिकों ने चेतावनी दी कि हूतियों की गतिविधियां लाल सागर के रास्ते स्वेज नहर तक पहुंचने वाले महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग को प्रभावित कर सकती हैं। यूएन के असिस्टेंट सेक्रेटरी जनरल खालिद खियारी ने मंगलवार को सुरक्षा परिषद के आपात सत्र में कहा कि यमन के पश्चिमी तट पर लड़ाई तेज हो गई है। हूती बाब अल-मंदब जलडमरूमध्य की ओर बढ़ रहे हैं और कथित तौर पर दक्षिणी लाल सागर के कई द्वीपों पर कब्जा कर चुके हैं।

इस्लामिक देशों के संगठन ने की निंदा

इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने मक्का और मदीना क्षेत्र में हूती हमलों की निंदा की है। संगठन ने कहा कि पवित्र जगहों, मस्जिदों और आम लोगों के ठिकानों पर हमला करना आतंकवाद है। ऐसी कार्रवाई इस्लाम की सीख और अंतरराष्ट्रीय कानून के खिलाफ है। मक्का इस्लाम का सबसे पवित्र शहर है। यहां मुस्लिमों के प्रमुख पवित्र स्थल हैं और हर साल दुनिया भर से लाखों लोग हज के लिए पहुंचते हैं।

'अपराजिता-परांग ला 2026' अभियान पूरा

एनसीसी महिला कैडेटों ने 30 दिनों में तय किए 250 किमी

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की प्रमुख साहसिक गतिविधि, अखिल भारतीय बालिका अधिक ऊंचाई वाले लंबे ट्रेक 'अपराजिता-परांग ला 2026' के सफलतापूर्वक पूरा होने पर 16 सितंबर 2026 को लद्दाख के करजोक में एनसीसी के महानिदेशक लेफ्टिनेंट जनरल वीरेंद्र वत्स और रक्षा मंत्रालय की अपर सचिव दीप्ति मोहिल चावला ने दल का स्वागत किया।

रक्षा साझेदारी और सैन्य सहयोग को बढ़ावा

थल सेनाध्यक्ष जनरल धीरज सेठ 3 दिन की रूस यात्रा पर

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

चीफ आफ आर्मी स्टॉफ (सीओएएस) जनरल धीरज सेठ 16 से 18 सितंबर 2026 तक रूस की आधिकारिक यात्रा पर हैं। इस यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के बीच लंबे समय से चली आ रही रक्षा साझेदारी और सैन्य-से-सैन्य सहयोग को और मजबूत करना है। यात्रा के दौरान सीओएएस को मॉस्को में औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाएगा और वह 'टॉम्ब ऑफ द अननोन सोल्जर' पर शहीद सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। वह रूसी थल सेना के कमांडर-इन-चीफ कर्नल जनरल आंद्रेई निकोलायेविच मोर्दविचेव के साथ पेशेवर सैन्य सहयोग और प्रशिक्षण समेत आपसी हित के मुद्दों पर चर्चा करेंगे। थल सेनाध्यक्ष मॉस्को स्थित नेशनल डिफेंस कंट्रोल सेंटर का दौरा करेंगे और रूसी रक्षा मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बातचीत करेंगे।

धीरज सेठ

अघोषित बिजली कटौती से आक्रोशित नगरवासियों ने सबस्टेशन में किया प्रदर्शन

चोपन/सोनभद्र। नगर में पिछले कई दिनों से लगातार हो रही अघोषित एवं बार-बार विद्युत कटौती से आक्रोशित नगरवासियों ने बुधवार को सब स्टेशन हाईडिल कॉलोनी पहुंचकर जोरदार विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शन का नेतृत्व पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज चौबे ने किया। इस दौरान नगरवासियों ने विद्युत विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर नाराजगी जताते हुए व्यवस्था में तत्काल सुधार किए जाने की मांग की।प्रदर्शन के दौरान मौके पर मौजूद अवर अभियंता अनिल कुमार को नगरवासियों की ओर से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि नगर में मनमाने तरीके से की जा रही विद्युत कटौती पर तत्काल रोक लगाई जाए

शपथ-पत्र

मैं अश्वनी कुमार सिंह आत्मज स्व० रामदेव सिंह आयु लगभग 61 वर्ष निवासी 112 सिन्हानीचेपारा, महुआपारा अम्बिकापुर जिला सरगुजा (छ०ग०) निम्नांकित शपथ कथन करता हूँ मै शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं उपरोक्त पते का मूल निवासी हूँ। मै शपथ पर्वक कथन करता हूँ कि मेरे मतदाता परिचय पत्र अंक सूची. निवासी प्रमाण पत्र में मेरा नाम अश्वनी कुमार सिंह जन्म तिथि- 01.01.1965 दर्ज है। मै शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि जबकि मेरे आधार कार्ड में लिपिकीय त्रुटिवश मेरा नाम अश्विनी कुमार सिंह जन्म तिथि- 01.06.1965 दर्ज हो गया है।

मै शपथ पूर्वक कथन करता हूँ कि मैं अपने आधार कार्ड में मेरा वास्तविक जन्म तिथि नाम अश्वनी कुमार सिंह (ASHVANI KUMAR SINGH Date Of Birth 01-01-1965) दर्ज कराना चाहता हूँ। जिस हेतु स्वयं का शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज (छ.ग.)
रा०प्र०क० ब-121/2025-26
ग्राम कुन्दीखुर्द तहसील राजपुर
ईश्तहार

एत्द द्वारा सर्वसाधारण आम जनता कुन्दीखुर्द को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुदीप कुमार आ. गंगाधर जाति गोड़ निवास ग्राम कुन्दीखुर्द थाना राजपुर तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर रामानुजगंज (छ.ग.) द्वारा अपनी दादी स्व. बुधनी बाई पति स्व. लोखन का मृत्यु दिनॉक 08.10.2010 को मृत्यु हुआ है। किन्तु मृत्यु पंजीयन कार्यालय में नियत समय में अज्ञानता वंश कार्य व्यस्तता के कारण पंजीयन नहीं करा पाने के कारण पंजीयन हेतु आवेदन पत्र शपथ पत्र पेश है। जो न्यायालय में मृत्यु प्रमाण पत्र हेतु विचाराधीन है। आवेदक के द्वारा प्रस्तुत आवेदन पर यदि किसी अथवा अपने अभिभावक के माध्यम से पेशी तिथि 30/09/2026 के पूर्व इस न्यायालय में आपत्ति पेश कर सकता है। नियत दिनांक के पश्चात प्राप्त होने वाले दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक.13/8/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
राजपुर, जिला-बलरामपुर-रामानुजगंज

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 11
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलम पिता पोटू जाति कंवर निवासी ग्राम

कु समु सी.प.ह.न.11..रा.नि.मं. शिवप्रसादनगर भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माँ कयासो का जन्म / मृत्यु दिनांक 12/05/2009 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने माँ कयासो का जन्म / मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 23/09/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक तुलसी निकुंज पुत्री हरिनाथ, निवासी ग्राम सोहरा (खरोपारा), तहसील दरिमा, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदक के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम नमनाकला में खसरा नंबर 92/2 रकबा 0.040 हे. स्थित है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में रकबा 0.040 हे. के स्थान पर त्रुटिवश रकबा 0.020 हे. अंकित हो गया है। आवेदक के द्वारा उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में त्रुटिवश दर्ज रकबा 0.020 हे. के स्थान पर रकबा 0.040 हे. दर्ज कर त्रुटि सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जॉच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 07/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 11
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक लालसाय पिता देवचंद जाति कंवर निवासी ग्राम कुसमूसी प.ह.न.11 रा.नि.मं.शिवप्रसादनगर भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पिता देवचंद जन्म / मृत्यु दिनांक 10/05/2010 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश जन्म / मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पिता देवचंद का जन्म मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमूसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 24/9/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष

ग्राम प.ह.न. 11

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक कुवारों बाई पति अलीराम जाति कंवर निवासी ग्राम कुसमुसी प.ह.न. 11 रा.नि.मं.शिवप्रसादनगर भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के पुत्र / पुत्री सुदन का मृत्यु दिनांक 10/11/2009 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने पुत्र/पुत्री सुदन का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है। अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 19/09/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 03/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय नायब तहसीलदार तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)
रा.प्र.क्र.ब/121 वर्ष
ग्राम प.ह.न. 11
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक बलम पिता पोटू जाति कंवर निवासी ग्राम कु समु सी.प.ह.न.11..रा.नि.मं. शिवप्रसादनगर भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के बहन मईया का / मृत्यु दिनांक 12/05/2011 को ग्राम कुसमुसी में हुई है, अज्ञानतावश / मृत्यु पंजीयन नही करा पाया है। आवेदक अपने बहन मईया का / मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 23/9/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा। आज दिनांक 09/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।

कार्यपालिक दंडाधिकारी
भैयाथान जिला सूरजपुर (छ०ग०)

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०-/ब-121/2025-26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदिका गोमती आ. दउली, निवासी ग्राम लक्ष्मीपुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ.ग. के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदिका के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि ग्राम लक्ष्मीपुर में खसरा नंबर 474/1 रकबा 0.138 हे. एवं खसरा नंबर 473/3, 475/1, 476/4 रकबा क्रमशः 0.050, 0.454, 0.014 है. स्थित है। उक्त भूमि के राजस्व अभिलेखों में आवेदिका का नाम त्रुटिवश गुड्डी आ. दऊली अंकित हो गया है जबकि आवेदिका का वास्तविक नाम गोमती आ. दऊली है। आवेदिका के द्वारा उक्त त्रुटि को सुधार किये जाने हेतु आवेदन पत्र अनुविभागीय अधिकारी महोदय, अम्बिकापुर के समक्ष में प्रस्तुत किया गया है, जो जाँच प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो सुनवाई दिनांक 25/09/2026 के पूर्व स्वयं अथवा अपने प्रतिनिधि अथवा अभिषाक के माध्यम से इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा-आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा। आज दिनांक 07/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायलय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक ज्याउद्दीन अंसारी आ०.स्व. समशुल आवेदिन निवासी महामाया रोड अंबिकापुर थाना अंबिकापुर तहसील ने कराया है कि आवेदक के ज्याउद्दीन अंसारी की (दादी) आ० स्व. समशुल आवेदिन की दिनांक 12/07/1983 को स्थान महामाया रोड. (अ.पुर) में हुई है आवेदक के मृत्यू उपरांत मृत्यू का पंजीयक नहीं कराया गया है। अतः प्रमाण-पत्र की आवश्यकता होने पर यह आवेदन पेश किया गया है। उक्त संबंध में यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो ईश्तहार प्रकाशन से 15 दिवस तक न्यायलय में उपस्थित होकर अपना दावा / आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। समय-सीमा के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा। आज दिनांक 17/09/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालीन मुद्रा से जारी

तहसीलदार
अम्बिकापुर

श्रमवीरों के पसीने से बन रहा समृद्ध छत्तीसगढ़ : मुख्यमंत्री साय ने श्रमिक महासम्मेलन में की 3 बड़ी घोषणाएं

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के श्रमवीर अपने परिश्रम, पुरुषार्थ और पसीने से समृद्ध और विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की नई इबारत लिख रहे हैं। खेत-खलिहान से लेकर ऊंची इमारतों, सड़कों, पुलों और उद्योगों तक हर प्रगति में श्रमिक भाई-बहनों की मेहनत है। मुख्यमंत्री आज राजधानी के सरदार बलबीर सिंह जुनेजा इंडोर स्टेडियम में विश्वकर्मा जयंती पर आयोजित राज्य स्तरीय श्रमिक महासम्मेलन को संबोधित कर रहे थे।

3 महत्वपूर्ण घोषणाएं

मुख्यमंत्री ने श्रमिक हित में तीन बड़ी घोषणाएं की -शहरों में रोजगार की तलाश में एकत्र होने वाले श्रमिकों के लिए सर्वसुविधायुक्त आधुनिक श्रमिक सुविधा केंद्र बनाए जाएंगे, जहां बैठने, स्वच्छ पेयजल, मोबाइल चार्जिंग की सुविधा मिलेगी। पंजीकृत श्रमिकों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए ई-बाइक सहायता योजना शुरू की जाएगी। असंगठित क्षेत्र के रिक्शा चालकों को ई-रिक्शा खरीदने पर अब 50 हजार के बजाय 1 लाख रुपए की सहायता दी जाएगी।

1.43 लाख श्रमिकों को 51.32 करोड़ की सौगात

महासम्मेलन में मुख्यमंत्री ने श्रम विभाग के विभिन्न मंडलों की 26 योजनाओं के तहत 1 लाख 43 हजार से अधिक श्रमिकों के खातों में डीबीटी के जरिए 51 करोड़ 32 लाख रुपए से अधिक की राशि अंतरित की। प्रदेश में श्रम विभाग के 3 मंडलों के माध्यम से 67 प्रकार की कल्याणकारी योजनाएं चल रही हैं। पिछले ढाई वर्षों में 1000 करोड़ से अधिक की राशि श्रमिकों तक पहुंचाई गई है।

श्रमिक परिवार की बेटी मनिंदर बनी मिसाल

श्रमिक परिवार की बेटी मनिंदर कौर ने जेईई पास कर एनआईटी सूरत में प्रवेश लिया है। मुख्यमंत्री ने उसे लैपटॉप और 1.75 लाख रुपए का चेक प्रदान किया और उसकी पूरी इंजीनियरिंग पढ़ाई का खर्च सरकार द्वारा वहन करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने बताया कि अटल उत्कृष्ट शिक्षा योजना में पहले 100 बच्चों को निजी आवासीय विद्यालयों में निशुल्क शिक्षा दी जाती थी, अब इसे बढ़ाकर 200 बच्चों तक कर दिया गया है।

100 श्रमिक दीदियों को मिला ई-रिक्शा

दीदी ई-रिक्शा सहायता योजना के तहत 100 श्रमिक दीदियों को ई-रिक्शा की चाबी सौंपी गई और हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस दौरान मुख्यमंत्री और श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन ने हितग्राही यशोदा विश्वकर्मा के ई-रिक्शा में सवारी भी की। श्रम मंत्री ने बताया कि इस योजना की सहायता राशि 1 लाख से बढ़ाकर 1.5 लाख रुपए की गई है।

श्रमिक बहनों के साथ बैठकर किया भोजन

महासम्मेलन में मुख्यमंत्री श्रमिक बहनों के साथ बैठकर भोजन में शामिल हुए। उन्होंने उनके काम, परिवार और बच्चों की पढ़ाई के बारे में जाना और योजनाओं का लाभ मिल रहा है या नहीं, इसकी जानकारी ली।

डिजिटल पहल और आशीर्वाद का दीया

मुख्यमंत्री ने नवीन उपकर कटौती वेबसाइट और पीवीसी व क्यूआर कोड युक्त श्रमिक पंजीयन कार्ड का विमोचन किया। उन्होंने कहा कि वन नेशन-वन राशन कार्ड और पीएफ में सुधार से श्रमिकों को बड़ी सुविधा मिली है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर मुख्यमंत्री ने हजारों श्रमिकों के साथ 'आशीर्वाद का दीया' प्रज्वलित कर उनके स्वस्थ और दीर्घायु जीवन की कामना की। कार्यक्रम में श्रम मंत्री लखन लाल देवांगन, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, मंत्री गुरु खुशवंत साहेब, सांसद लक्ष्मी वर्मा, विधायक सुनील सोनी, पुरंदर मिश्रा, महापौर मीनल चौबे सहित बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

एआई क्षेत्र में नई उड़ान भरने को तैयार छत्तीसगढ़

500 करोड़ के मुख्यमंत्री एआई मिशन से संवरेगा युवाओं और तकनीक का भविष्य

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। दुनियाभर में तेजी से बढ़ रहे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के दौर में छत्तीसगढ़ भी नई छलांग लगाने को तैयार है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार एआई को विकास, रोजगार और सुशासन से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि और जनसेवा में एआई के प्रभावी उपयोग से रोजगार और नवाचार के नए अवसर सृजित करते हुए विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार संकल्पित है।

500 करोड़ का मुख्यमंत्री एआई मिशन

भविष्य की जरूरतों को देखते हुए 500 करोड़ रुपए के मुख्यमंत्री एआई मिशन की शुरूआत की गई है। इसका उद्देश्य छत्तीसगढ़ को केवल एआई अपनाने वाला नहीं, बल्कि उपयोग और नवाचार में अग्रणी राज्य बनाना है। इस मिशन के तहत प्रदेश में 100 एआई लैब और 5 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बनाए जाएंगे। लगभग 6 लाख विद्यार्थियों और 1.5 लाख शासकीय अधिकारी-कर्मचारियों को एआई से जोड़ा जाएगा। शासन की 50 से अधिक सेवाओं को एआई के जरिए अधिक प्रभावी बनाया जाएगा। युवाओं को जॉब सीकर की बजाय जॉब क्रिएटर बनाने के लिए मशीन लर्निंग और डेटा साइंस का प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

कृषि, स्वास्थ्य और प्रशासन में एआई

मिशन का दायरा आईटी तक सीमित नहीं है। कृषि में मौसम, फसल, कीट और रोगों के आंकड़ों के विश्लेषण से किसानों को सटीक सलाह मिलेगी। स्वास्थ्य में जांच, रोग पहचान और संसाधनों के प्रबंधन में सुधार होगा। सुशासन के लिए सेवा सेतु जैसे पोर्टलों में एआई के उपयोग से योजनाओं की मॉनिटरिंग और नागरिक सेवाएं आसान होंगी। उद्योगों में रोबोटिक्स और मशीन लर्निंग से उत्पादन गति बढ़ेगी, त्रुटियां कम होंगी। एआई सेंसर मशीनों की खराबी से पहले चेतावनी देंगे, जिससे लागत बचेगी।

नवा रायपुर बन रहा एआई हब

नवा रायपुर को आईटी, एआई और डाटा सेंटर के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। यहां करीब 1000 करोड़ रुपए के निवेश से एआई आधारित डाटा सेंटर और एआई एसईजेड विकसित हो रहा है। 200 करोड़ की लागत से नेशनल स्किल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट की स्थापना होगी।

सृजन, कौशल और श्रम के सम्मान का संदेश देती है भगवान विश्वकर्मा की आराधना : मुख्यमंत्री

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज विश्वकर्मा जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री निवास में सृजन, शिल्प और निर्माण के अधिष्ठाता भगवान विश्वकर्मा की विधि-विधान से पूजा-अर्चना की और प्रदेश की सुख-समृद्धि, खुशहाली और निरंतर प्रगति की कामना की।इस अवसर पर मुख्यमंत्री के सलाहकार आर. कृष्णा दास, प्रेस अधिकारी आलोक सिंह सहित मुख्यमंत्री निवास के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने भगवान विश्वकर्मा को नमन करते हुए प्रदेशवासियों, विशेषकर श्रमवीरों, शिल्पकारों, कारीगरों, अभियंताओं, तकनीशियनों तथा उद्योग और निर्माण क्षेत्र से जुड़े सभी लोगों को विश्वकर्मा जयंती की हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि भगवान विश्वकर्मा सृजनशीलता, कौशल, कर्मनिष्ठा और उत्कृष्टता के प्रतीक हैं। उनकी आराधना हमें अपने ज्ञान, हुनर और परिश्रम से समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में योगदान देने की प्रेरणा देती है। विश्वकर्मा जयंती केवल आस्था और परंपरा का पर्व नहीं, बल्कि श्रम की प्रतिष्ठा, कौशल के सम्मान और सृजन की शक्ति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी प्रदेश और राष्ट्र की प्रगति के पीछे उसके श्रमवीरों, कारीगरों, शिल्पकारों और तकनीशियनों का बड़ा योगदान होता है। खेत-खलिहानों से लेकर कारखानों तक, छोटे प्रतिष्ठानों से लेकर बड़े उद्योगों तक हमारे कुशल हाथ अपने परिश्रम से विकास को आकार देते हैं। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ की पहचान मेहनतकश लोगों और समृद्ध शिल्प परंपरा की रही है। हमारे शिल्पकारों ने पीढ़ियों से अपने हुनर से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत को सहेजा है, वहीं आज के श्रमिक, अभियंता और तकनीकी युवा आधुनिक छत्तीसगढ़ के निर्माण में भूमिका निभा रहे हैं। परंपरागत कौशल और आधुनिक तकनीक का समन्वय ही प्रदेश को नई दिशा देगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रम केवल आजीविका का माध्यम नहीं, बल्कि सृजन और राष्ट्र निर्माण की शक्ति है। प्रत्येक श्रमिक के परिश्रम का सम्मान करना हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है। छत्तीसगढ़ के लाखों हाथ अपने परिश्रम से प्रदेश की प्रगति को गति दे रहे हैं, यही विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव है। उन्होंने कहा कि विश्वकर्मा जयंती हमें संदेश देती है कि हम हर कार्य को निष्ठा, अनुशासन और उत्कृष्टता के साथ करें। बदलते समय के साथ कौशल को निखारना और नई तकनीक अपनाना जरूरी है।

आधार प्रमाणीकरण एवं सत्यापन पर एक-दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा आज आधार प्रमाणीकरण एवं सत्यापन विषय पर एक-दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य अधिकारियों को आधार प्रमाणीकरण की तकनीकी प्रक्रिया, ऑफलाइन सत्यापन, फेस ऑथेंटिकेशन और सुरक्षित उपयोग की व्यावहारिक जानकारी देना था। कार्यशाला की मुख्य अतिथि खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सचिव रीना बाबासाहेब कंगाले रहीं। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ सही हितग्राहियों तक पहुंचाने के लिए आधार प्रमाणीकरण महत्वपूर्ण है। फिंगरप्रिंट आधारित प्रमाणीकरण से पीडीएस में पारदर्शिता बढ़ी है और पात्र लोगों तक लाभ पहुंचना सुनिश्चित हुआ है। ऑफलाइन सत्यापन की जानकारी अधिकारियों के लिए बेहद उपयोगी है।

प्रदेश में 1100 से अधिक आधार सेवा केंद्र

चिप्स के सीईओ मयंक अग्रवाल ने बताया कि प्रदेश के सभी 33 जिलों में इन-हाउस मॉडल के तहत 1,100 से अधिक आधार सेवा केंद्र शासकीय परिसरों में चल रहे हैं। राज्य में अब तक 3 करोड़ 17 लाख 33 हजार से अधिक आधार पंजीकरण हो चुके हैं।विशेष शिविरों के माध्यम से 5-15 और 15-17 वर्ष आयु वर्ग के 7 लाख से अधिक बच्चों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट किया जा चुका है। उन्होंने बताया कि यूआईडीएआई ने 14 नए आधार सेवा केंद्रों की अनुमति दी है, जिनमें से दुर्ग, महासमुंद, रायपुर, बिलासपुर और जांजगीर-चांपा में 5 केंद्र शुरू हो चुके हैं।

दिसंबर से राशन की हेराफेरी पर लगेगा ब्रेक, पीडीएस चावल की बोरियों पर लगेगा बारकोड

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के चावल में होने वाली हेराफेरी और कथित 'रोलिंग खेल' पर रोक लगाने के लिए साय सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार अब पीडीएस चावल की हर बोरी पर बारकोड लगाने की तैयारी में है। यह नया सिस्टम इसी साल दिसंबर से लागू होने की उम्मीद है।

मिल से निकलते ही लगेगा बारकोड

नई व्यवस्था के तहत मिलर से पीडीएस के लिए चावल की सप्लाई निकलते ही बोरियों पर बारकोड लगाया जाएगा। इस बारकोड में बोरी से जुड़ी पूरी जानकारी होगी, जिससे चावल की सप्लाई चेन को ट्रैक किया जा सकेगा। अभी कई जगहों से शिकायतें आती हैं कि रास्ते में बोरियां बदल दी जाती हैं या चावल में हेरफेर होता है। बारकोड सिस्टम से इस पर लगाम लगेगी।

हर बोरी की होगी ट्रैकिंग

बारकोड लगने के बाद मिल से लेकर वेयरहाउस, राशन दुकान तक हर बोरी की आवाजाही पर नजर रखी जा सकेगी। बोरियां कहां से निकलीं, कहां पहुंचीं और किस दुकान में गईं, इसका पूरा डेटा सिस्टम में रहेगा।

'रोलिंग खेल' पर लगेगी लगाम

पीडीएस में 'रोलिंग' यानी अच्छे चावल को निकालकर खराब चावल भरने या बोरियां बदलने के खेल को रोकना इस व्यवस्था का मुख्य उद्देश्य है।

स्वास्थ्य विभाग में बड़ा फेरबदल, 25 चिकित्सा अधिकारियों का तबादला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

रायपुर। छत्तीसगढ़ के लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग में बड़े पैमाने पर तबादले किए गए हैं। अवर सचिव द्वारा जारी आदेश में 25 चिकित्सा अधिकारियों और विशेषज्ञ चिकित्सकों को नई पदस्थापना दी गई है ।इस सूची में सबसे ज्यादा फेरबदल प्रभारी मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी और प्रभारी सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक स्तर पर किया गया है ।महासमुंद, सुकमा, बेमेतरा, धमतरी, सरगुजा, सूरजपुर, कोरिया, खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, मुंगेली, दंतेवाड़ा, बिलासपुर, कबीरधाम, रायगढ़, बलरामपुर और मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिलों में स्वास्थ्य विभाग की कमान नए अधिकारियों को सौंपी गई है। डॉ. आई. नागेश्वर राव - प्रभारी सीएमएचओ महासमुंद से उप संचालक, राज्य स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण संस्थान, रायपुर, डॉ. रामकेश्वर सिंह कुशवाहा - प्रभारी सीएमएचओ सुकमा से प्रभारी सीएमएचओ महासमुंद, डॉ. भुवन विजय कुर्रे - जिला चिकित्सालय दंतेवाड़ा से प्रभारी सीएमएचओ सुकमा, डॉ. शरद कोहाड़े - सीएचसी खंडसरा बेमेतरा से प्रभारी सीएमएचओ बेमेतरा, डॉ. अरुण कुमार टोंडर - प्रभारी सिविल सर्जन धमतरी से प्रभारी सीएमएचओ धमतरी, डॉ. यू.एल. कौशिक - प्रभारी सीएमएचओ धमतरी से प्रभारी सिविल सर्जन, मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी, डॉ. आदित्य सिन्हा - जिला चिकित्सालय धमतरी से प्रभारी सिविल सर्जन, जिला चिकित्सालय धमतरी, डॉ. अनिल कुमार शुक्ला - संयुक्त संचालक सरगुजा संभाग से प्रभारी सीएमएचओ खैरागढ़-छुईखदान-गंडई, डॉ. कपिल देव पैंकरा - प्रभारी सीएमएचओ सूरजपुर से संभागीय संयुक्त संचालक, सरगुजा संभाग, डॉ. प्रशांत सिंह - प्रभारी सीएमएचओ कोरिया से प्रभारी सीएमएचओ सूरजपुर, डॉ. बलवंत सिंह - जिला चिकित्सालय बैकुंठपुर से प्रभारी सीएमएचओ कोरिया, डॉ. आशीष शर्मा - प्रभारी सीएमएचओ केसीजी से प्रभारी सिविल सर्जन, जिला चिकित्सालय केसीजी, डॉ. जगसाय सिंह सरुता - सीएचसी विश्रामपुर सूरजपुर से प्रभारी सीएमएचओ सरगुजा, डॉ. प्रेम सिंह मार्को - प्रभारी सीएमएचओ सरगुजा से सीएचसी सोनहट कोरिया, डॉ. शीला साहा - प्रभारी सीएमएचओ मुंगेली से जिला चिकित्सालय बिलासपुर, डॉ. श्रीकेश गुप्ता - पीएचसी हरदीकला बिलासपुर से प्रभारी सीएमएचओ मुंगेली, डॉ. रक्षित जोगी - सीएचसी बिल्हा बिलासपुर से प्रभारी अधीक्षक राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी बिलासपुर।

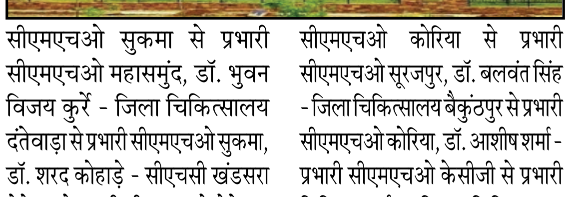

सेवा से सशक्तिकरण तक - बदलती जिंदगी की कहानियां लिख रहा सेवा संकल्प अभियान

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

शासकीय योजनाओं का लाभ बन रहा महिलाओं के आत्मविश्वास, सुरक्षा और आत्मनिर्भरता का आधार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में जनसेवा का अर्थ केवल योजनाओं के संचालन तक सीमित नहीं है, बल्कि जरूरतमंद के जीवन में बदलाव लाना है। इसी सोच को जनभागीदारी से जोड़ रहा है सेवा संकल्प अभियान। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में संचालित योजनाएं अब आंकड़ों के साथ-साथ लोगों की बदलती जिंदगी की कहानियों में भी दिख रही हैं।

महतारी वंदन से आत्मनिर्भरता की ओर

महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण के लिए महतारी वंदन योजना के तहत पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 1000 रुपए सीधे खाते में दिए जा रहे हैं। अब तक 31 किश्तों में 68 लाख से अधिक महिलाओं को 20 हजार करोड़ से अधिक की राशि दी जा चुकी है। इस राशि से जांजगीर-चांपा की उर्मिला यादव ने आर्टिफिशियल गहनों का व्यवसाय, ज्योति कसेर ने पापड़ व्यवसाय, सुमित्रा कर्ष ने श्रृंगार दुकान शुरू की है। कुसुम देवी पाण्डेय ने अपनी दुकान का विस्तार किया। कबीरधाम की सतरूपा गंधर्व बच्चों की पढ़ाई और घरेलू जरूरतों में राशि का उपयोग कर रही हैं, तो कोण्डागांव की श्यामबती कोर्राम अपनी बेटियों के लिए सुकन्या समृद्धि योजना में राशि जमा कर रही हैं।

महिला सुरक्षा के लिए प्रदेश के सभी 33 जिलों में 42 सखी वन स्टॉप सेंटर संचालित हैं। यहां घरेलू हिंसा और उत्पीड़न की शिकार महिलाओं को कानूनी सहायता, चिकित्सकीय सुविधा, परामर्श और अस्थायी आश्रय एक ही जगह मिल रहा है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के तहत अब तक 24 हजार 336 बालिकाओं का सामूहिक विवाह कराया गया है और प्रति जोड़े 50 हजार रुपए की सहायता दी जा रही है। महिला समृद्धि योजना के तहत अब तक 42 हजार 878 महिला समूहों को 129.46 करोड़ रुपए का रियायती ऋण दिया गया है, जिससे महिलाएं छोटे व्यवसाय और आजीविका गतिविधियां बढ़ा रही हैं।

मातृत्व और स्वस्थ बचपन की नींव

प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से गर्भवती महिलाओं को आर्थिक सहायता मिल रही है। कबीरधाम की संजू तिवारी को पहले बच्चे पर 5 हजार और दूसरी बेटी होने पर 6 हजार रुपए मिले, जिसका उपयोग उन्होंने पोषण और स्वास्थ्य जांच में किया। बेमेतरा की मुकेश्वरी साहू ने भी इसका लाभ लिया। मोहला-मानपुर-अंबागढ़ चौकी की बालिका हिमांशी कोवाची 'हमर स्वस्थ लइका' कार्यक्रम से अति गंभीर कुपोषण से सामान्य श्रेणी में आई। 16 सप्ताह में उसका वजन 9.2 किलो से बढ़कर 11.50 किलो हुआ ।सेवा संकल्प अभियान यही दिखाता है कि शासन की सहायता जब सही व्यक्ति तक पहुंचती है

जिला अस्पताल में हुआ रक्तदान शिविर, मंत्री लक्ष्मी बढ़ाया रक्तदाताओं का उत्साह

0 मंत्री लक्ष्मी बोलीं-रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम
0 आग्रह- जरूरतमंदो का जीवन बचाने आगे आएं नागरिक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। सेवा, सहयोग और जनभागीदारी की भावना को सशक्त बनाने के उद्देश्य से प्रदेश में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ हुआ। अभियान के अंतर्गत एक माह तक विभिन्न जनसेवा, जनजागरूकता एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

इसी क्रम में यहां जिला चिकित्सालय में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने किया। उन्होंने रक्तदाताओं का उत्साहवर्धन करते हुए स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। मंत्री लक्ष्मी ने इस अवसर पर स्वयं स्वास्थ्य परीक्षण कराया और लोगों को नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया। उन्होंने कहा कि रक्तदान मानवता की सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम है। हमारे द्वारा किया गया रक्तदान किसी जरूरतमंद व्यक्ति के जीवन को बचाने में सहायक हो सकता है। आपातकालीन परिस्थितियों में कई बार समय पर रक्त उपलब्ध नहीं हो पाता, ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान के प्रति जागरूकता और जनभागीदारी बेहद आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान केवल कार्यक्रमों तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करने का अवसर है। हमें छुआछूत और भेदभाव जैसी सामाजिक बुराइयों को दूर करते हुए आपसी सहयोग और भाईचारे की भावना को बढ़ावा देना चाहिए। उन्होंने नागरिकों से अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में सक्रिय सहभागिता निभाने का आग्रह किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष सेवा, जनकल्याण और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कार्यों के लिए महत्वपूर्ण रहे हैं। सेवा संकल्प अभियान इसी सेवा भावना को जनभागीदारी के माध्यम से व्यापक रूप देने का प्रयास है। उन्होंने कहा कि जनसहयोग से सेवा और जनकल्याण के कार्यों को नई गति मिलती है।

सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने वाला आयोजन- विधायक भूलन

प्रेमनगर विधायक भूलन सिंह मरावी ने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित रक्तदान शिविर सेवा और मानवता की भावना को मजबूत करने वाला आयोजन है। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान टीकाकरण सहित विभिन्न प्रयासों के माध्यम से लोगों को संक्रमण से बचाव के लिए महत्वपूर्ण सहायता मिली। उन्होंने नागरिकों से सेवा भाव के साथ समाज और जरूरतमंद लोगों के लिए योगदान देने की अपील की।

जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है रक्त-स्वाति

जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती स्वाती सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। समय पर उपलब्ध कराया गया रक्त किसी जरूरतमंद व्यक्ति का जीवन बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने स्वस्थ एवं पात्र नागरिकों से स्वैच्छिक रक्तदान के लिए आगे आने तथा सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने का आह्वान किया। शिविर में स्वास्थ्य विभाग द्वारा रक्तदाताओं के स्वास्थ्य परीक्षण, रक्त समूह जांच सहित आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। युवाओं सहित विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान में सहभागिता निभाई। इस दौरान मुरली मनोहर सोनी भाजपा जिलाध्यक्ष, शशिकांत गर्ग, अशोक सिंह, संत सिंह, रितेश गुप्ता प्रदेश सह संयोजक आर्थिक प्रकोष्ठ, संदीप अग्रवाल, शैलेश गोयल, यशवंत सिंह आदि मोजूद रहे।

अंत में भाजयुमो जिलाध्यक्ष देव गुप्ता ने रक्तदान करने वाले सभी युवाओं, सहयोगी चिकित्सकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं उपस्थित वरिष्ठ नेताओं का आभार व्यक्त किया है।

किशोरी से बातचीत बंद कराने को लेकर भिड़े दो युवक, कैंची से आंख पर किया वार

कोरबा, छ.ग. फ्र टंलाइन। सिविल लाइन थाना क्षेत्र में त्रिकोणीय प्रेम प्रसंग को लेकर एक युवक ने 17 वर्षीय किशोर पर कैंची से हमला कर दिया। किशोर की आंख के नीचे गंभीर चोट आई है और उसे उपचार के लिए अस्पताल में दाखिल कराया गया है। पुलिस ने आरोपित सागर यादव के विरुद्ध हत्या के प्रयास का अपराध पंजीबद्ध कर उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया।

बताया जा रहा है कि सागर यादव 18 वर्ष एक नाबालिग किशोरी से बातचीत करता था। कुछ दिन पहले विवाद होने पर किशोरी ने उससे बातचीत बंद कर दी। इसके बाद वह 17 वर्षीय किशोर से बातचीत करने लगी।

इसकी जानकारी मिलने पर सागर ने किशोर को बुलाया और किशोरी से बातचीत बंद कर रास्ते से हट जाने के लिए समझाया। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। बात बढ़ने पर सागर ने अपने साथ लाई कैंची से किशोर के चेहरे पर वार कर दिया।

कैंची का वार आंख के नीचे लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सागर को गिरफ्तार किया और न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया।

---

78 मांगों को लेकर दो चरणों मे 260 दिनों से हड़ताल पर ग्रामीण

आरोप-पूर्व में 109 दिनों की हड़ताल के बाद प्रशासन ने दिया था लिखित आश्वासन पर नहीं हुआ समाधान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
बिहारपुर। सूरजपुर जिले चांदनी बिहारपुर क्षेत्र के ग्राम सपहा में मूलभूत सुविधाओं और विभिन्न जनसमस्याओं के निराकरण की मांग को लेकर राष्ट्रीय मानवाधिकार रिडेंप्शन सोशल वेलफेयर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के प्रदेश अध्यक्ष एवं वार्ड पंच लालजी बौद्ध के नेतृत्व में अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी है। आंदोलनकारियों के अनुसार सुशासन तिहार 2025-26 और जनदर्शन में ग्रामीणों द्वारा प्रस्तुत मांगों के बावजूद कई समस्याओं का अब तक निराकरण नहीं हुआ है।

आंदोलनकारियो ने बताया कि वर्ष 2025 में 109 दिनों तक अनिश्चितकालीन हड़ताल के बाद प्रशासनिक अधिकारियों की संयुक्त टीम ने ग्रामीणों की समस्याओं के समाधान का लिखित आश्वासन दिया था। इसके बावजूद मांगें पूरी नहीं होने पर 21 अप्रैल से पुनः आंदोलन शुरू किया गया। 17 सितंबर तक आंदोलन के 260 दिन पूरे होने का दावा किया गया है। ज्ञापन में पेयजल, सड़क, पुलिया, बिजली, स्वास्थ्य, शिक्षा, प्रधानमंत्री आवास, नल-जल योजना, वन अधिकार पट्टा, राशन, एंबुलेंस और खेल मैदान सहित 78 मांगें रखी गई हैं। न्यू बौद्धपारा और न्यू पंडोपारा में पेयजल संकट को लेकर स्थायी व्यवस्था की मांग की गई है। वहीं सपहा के विभिन्न पारा-मोहल्लों को जोड़ने वाली सड़कों के निर्माण और क्षतिग्रस्त मार्गों की मरम्मत की मांग भी प्रमुखता से उठाई गई है। इसके अलावा वन अधिकार पट्टों को ऑनलाइन रिकॉर्ड में दर्ज करने, न्यू पंडोपारा में स्कूल और आंगनबाड़ी खोलने, पंचायत क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधा बढ़ाने तथा स्कूलों में बाउंड्रीवाल निर्माण की मांग की गई है। आंदोलनकारियों ने सुशासन तिहार एवं जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों का समयबद्ध निराकरण करने की मांग करते हुए लापरवाही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग भी की है।

लालजी बौद्ध का कहना है कि ग्रामीणों को सड़क, पानी, बिजली और अन्य मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध होने तक उनका अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी रहेगा।

स्वच्छता का संदेश लेकर विद्यार्थियों ने की विद्यालय परिसर की साफ-सफाई

निबंध, चित्रकला और भाषण प्रतियोगिता से दिया स्वच्छता का संदेश

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। राज्य परियोजना कार्यालय समग्र शिक्षा, छतीसगढ़ के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन तथा जिला शिक्षा अधिकारी अशोक कुमार सिन्हा एवं जिला मिशन समन्वयक मनोज कुमार साहू के निर्देशन में गुरुवार को शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय रामानुजनगर में स्वच्छता एवं सेवा कार्यक्रम के अंतर्गत विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। कार्यक्रम संस्था के प्राचार्य पीसी सोनी के नेतृत्व में संपन्न हुआ।इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा विद्यालय प्रांगण की साफ-सफाई की गई। क्लब प्रभारी गोपाल सिंह ने विद्यार्थियों को ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, कचरे को स्रोत पर ही अलग करने, पुनः उपयोग, पुनर्चक्रण एवं जैविक कचरे से खाद तैयार करने के संबंध में जानकारी दी।।कार्यक्रम के दौरान चार-कूड़ेदान व्यवस्था का प्रदर्शन, पर्यावरण संरक्षण की शपथ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों को गीले, सूखे,

सैनिटरी एवं विशेष देखभाल वाले कचरे को अलग-अलग रखने तथा खुले में कचरा न फेंकने के लिए जागरूक किया गया।प्राचार्य पीसी सोनी ने बताया कि स्वच्छता ही सेवा अभियान 17 सितंबर से 02 अक्टूबर तक संचालित किया जा रहा है, जिसके अंतर्गत विद्यालय में स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण से संबंधित स्वच्छता पर आधारित निबंध प्रतियोगिता, पोस्टर एवं चित्रकला प्रतियोगिता, भाषण प्रतियोगिता तथा स्वच्छता एवं विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। अभियान का समापन 02 अक्टूबर को स्वच्छ भारत दिवस के रूप में किया जाएगा।कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय के समस्त शैक्षणिक स्टाफ एवं विद्यार्थियों का सक्रिय सहयोग रहा।

जिले भर में विधि विधान से की गई सृष्टि के शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा की पूजा अर्चना

भंडारा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का हुआ आयोजन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। सृष्टि के प्रथम शिल्पकार भगवान विश्वकर्मा जी की जयंती पर गुरुवार को जिले भर में विधि विधान से देवशिल्पी की पूजा अर्चना की गई। इस अवसर पर शहर के पुराना बस स्टैंड में प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी सार्वजनिक विश्वकर्मा पूजा सेवा समिति के द्वारा पंडाल सजाया गया था। जहाँ भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि विधान से पूजा अर्चना की गई। ततपश्चात यहां भव्य भंडारे का आयोजन समिति के द्वारा किया गया जिसमें बड़ी संख्या में लोगो ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया। इसी तरह शहर के बड़खापारा स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर में राजमिस्त्री संघ द्वारा पूजा अर्चना के साथ विविध धार्मिक आयोजन व भंडारे का आगोजन किया गया। शहर में स्थित कारखानों, वर्कशॉप, दुकानों और विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों एवं घरों सहित औद्योगिक परिक्षेत्र नयनपुर एवं यहां स्थित कारखानों, राइस मिलो में भी भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विशेष पूजा अर्चना

कर काम में सफलता और व्यापार में वृद्धि की भगवान विश्वकर्मा से कामना की गई। वहीं बस व टेक्सी यूनियन संघ के द्वारा सामूहिक रूप से तो घर घर मे वाहन स्वामियों द्वार वाहनों की पूजा की गई। इस मौके पर पुराना बस स्टैंड में समिति के द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

बिहारपुर क्षेत्र में रहा उत्साह का माहौल

जिले के चांदनी बिहारपुर क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा की पूजा को लेकर लोगों में खासा उत्साह देखने को मिला। क्षेत्र के विभिन्न गांवों में घर-घर एवं प्रतिष्ठानों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। सुबह से ही पूजा-पाठ और धार्मिक अनुष्ठानों का दौर शुरू हो गया, जिससे पूरा क्षेत्र भक्तिमय माहौल में नजर आया। विश्वकर्मा पूजा के अवसर पर लोगों ने अपने टू-व्हीलर, फोर-व्हीलर, ट्रैक्टर, कृषि उपकरण, विभिन्न मशीनरी एवं अन्य कामकाजी साधनों की साफ-सफाई कर उन्हें फूल-मालाओं से सजाया। इसके बाद भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर अपने वाहनों एवं मशीनों पर तिलक लगाया गया और सुख-समृद्धि तथा कार्यों में सफलता की कामना की गई। क्षेत्र के महुली, बिहारपुर सहित आसपास के विभिन्न गांवों में विश्वकर्मा पूजा को लेकर अलग-अलग स्थानों पर आयोजन किए गए। कई लोगों ने अपने घरों में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित की, जबकि दुकानों, वर्कशॉप और अन्य व्यवसायिक प्रतिष्ठानों में भी विशेष पूजा-अर्चना की गई।

पूजा के दौरान लोगों ने भगवान विश्वकर्मा से अपने व्यवसाय एवं कार्यक्षेत्र में उन्नति, परिवार में सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। विश्वकर्मा पूजन को लेकर क्षेत्र में दिनभर उत्साह का माहौल बना रहा।

GOVERNMENT ENGINEERING COLLEGE, AMBIKAPUR
A Constituent College of Chhattisgarh Swami Vivekanand Technical University, Bhilai (C.G.)
E-mail: vecprincipalambikapur@gmail.com,
Phone no : 07774299183

शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय अम्बिकापुर
जिलाः सरगुजा (छ.ग.)

दावा-आपत्ति सूचना

यह सूचित किया जाता है कि विभाग द्वारा किर्लोस्कर जनरेटर (25 KVA) के मरम्मत कार्य/सामग्री हेतु सांपत्तिक प्रकृतिकि श्रेणी में आती है। यदि इस संबंध में किसी अन्य निर्माता/विक्रेता अधिकृत एजेंसी को यह दावा हो कि उक्त मरम्मत कार्य सामग्री उनके द्वारा भी उपलब्ध कराई जा सकती है, इच्छुक पक्ष 30 दिवस के भीतर कार्यालय में आवश्यक प्रमाणों सहित लिखित दावा/आपति प्रस्तुत कर सकते हैं। निर्धारित समय उपरांत प्राप्त दावा/आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
सम्बन्धित विस्तृत जानकारी कार्यालीन अवधि में कार्यालय से www.vecambikapur.ac.in से प्राप्त की जा सकती है।

जी-262703314/1

रक्तदान को लेकर निशा ने दिया जागरूकता का संदेश, बोलीं- रक्तदान महादान

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन
सूरजपुर। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर के माध्यम से लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने और जरूरतमंद मरीजों के जीवन की रक्षा के लिए आगे आने का संदेश दिया जा रहा है।

इसी कड़ी में नर्सिंग सेन्टर की छात्रा निशा सिंह ने रक्तदान के महत्व को बताते हुए लोगों से रक्तदान के लिए आगे आने की अपील की। निशा सिंह ने कहा कि रक्तदान महादान है। रक्त की आवश्यकता किसी भी व्यक्ति को कभी भी पड़ सकती है। आकस्मिक दुर्घटना, गंभीर बीमारी अथवा अन्य चिकित्सकीय परिस्थितियों में समय पर उपलब्ध रक्त किसी जरूरतमंद के लिए जीवनरक्षक साबित हो सकता है। ऐसे में रक्तदान केवल एक सामाजिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि किसी के जीवन को बचाने में योगदान देने का अवसर भी है। निशा ने कहा कि

कई लोगों के मन में यह धारणा रहती है कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर हो जाता है, जबकि स्वस्थ व्यक्ति चिकित्सकीय प्रक्रिया के तहत रक्तदान कर सकता है। उन्होंने लोगों से रक्तदान को लेकर मन में मौजूद अनावश्यक भय और भ्रम को दूर करने की अपील की। उन्होंने कहा कि रक्तदान के प्रति जागरूकता बढ़ाना हम सभी की जिम्मेदारी है। आपका दिया हुआ रक्त किसी अनजान व्यक्ति के जीवन में उम्मीद की किरण बन सकता है। इसलिए जरूरतमंदों की मदद के लिए लोगों को स्वेच्छा से रक्तदान के लिए आगे आना चाहिए।

निशा ने समाज में मौजूद छुआछूत और भेदभाव जैसी मानसिकताओं को दूर करने की आवश्यकता पर भी कहा कि रक्त की जरूरत के समय जाति, धर्म या किसी अन्य सामाजिक पहचान का भेद नहीं होता। मानव जीवन सबसे महत्वपूर्ण है और रक्तदान मानवता की सेवा का माध्यम है।उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि रक्तदान को लेकर किसी भी तरह के भेदभाव या संकोच को पीछे छोड़कर मानवता के लिए आगे आएं। एक व्यक्ति का रक्तदान जरूरतमंद व्यक्ति और उसके परिवार के लिए बड़ी राहत बन सकता है।गौरतलब है कि सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित रक्तदान शिविर लोगों को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने और जरूरतमंदों के लिए रक्त की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। रक्तदान के प्रति जागरूकता किसी के लिए जीवनदान बन सकता है।

51 हजार दीयों से जगमगाया सरोवर तालाब मनेंद्रगढ़

■ एक दिया मनेन्द्रगढ़ के विकास का, एक दिया 2047 विकसित भारत का, के संकल्प के साथ नागरिकों ने की जनसहभागिता

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। जिला प्रशासन मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर, छत्तीसगढ़ द्वारा देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर 'सेवा संकल्प अभियान' के अंतर्गत मनेन्द्रगढ़ में जनसहभागिता का एक भव्य और प्रेरणादायी आयोजन किया गया । 17 सितंबर 2026 गुरुवार को शाम 6 बजे सरोवर तालाब, मनेन्द्रगढ़ में 51 हजार दीयों से सरोवर तालाब को

रोशन किया। इस आयोजन का उद्देश्य केवल दीप प्रज्वलित करना नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक को मनेन्द्रगढ़ के विकास, स्वच्छता, सुंदरता और सामूहिक सहभागिता से जोड़ते हुए विकसित भारत 2047 के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। जिला प्रशासन ने मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल की उपस्थिति में सरोवर तालाब मनेंद्रगढ़ में आशीर्वाद का दिया जलवाया। रोशनी से जुड़ता मन, विकास का नया संकल्प' की भावना के साथ आयोजित यह कार्यक्रम सेवा संकल्प अभियान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। सेवा संकल्प अभियान की अवधि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक निर्धारित है। अभियान का मूल संदेश 'सेवा, समर्पण, सहभागिता, समृद्धि' है, जिसके माध्यम से नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को विकास के संकल्प से जोड़ा जा रहा है। 'एक दिया आज, एक उज्ज्वल भारत कल' के संदेश के साथ 17 सितंबर की शाम मनेन्द्रगढ़ का सरोवर तालाब हजारों दीपों की रोशनी से जगमगाया।

झगड़ाखांड में स्वास्थ्य मंत्री ने किया उदय शांति वृद्धा आश्रम का शुभारंभ

बुजुर्गों को मिला सम्मान और अपनत्व का नया ठिकाना

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। एमसीबी जिले के नगर पंचायत झगराखांड के वार्ड क्रमांक 01 गेला झरिया दफाई, नॉर्थ जे.के.डी. में समाज कल्याण विभाग द्वारा अनुदानित संस्था ग्राम विकास समिति द्वारा संचालित उदय शांति वृद्धा आश्रम का गुरुवार को लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री तथा छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने लाल फीता काटकर विधिवत शुभारंभ किया । 'सेवा संकल्प अभियान 2026' के अंतर्गत आयोजित इस गरिमामय कार्यक्रम में बुजुर्गों के सम्मान और उनके बेहतर जीवन के लिए संवेदनशील पहल की शुरुआत हुई। इस अवसर पर कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण सुश्री अंजना रोस बेक, नई लेदरी नगर पंचायत अध्यक्ष वीरेंद्र सिंह राणा, झगराखांड नगर पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रीमा यादव, समस्त पार्षद सहित जनप्रतिनिधि, संस्था के पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य मंत्री ने कहा- बुजुर्ग समाज की धरोहर, सेवा करना हम सभी का दायित्व

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने अपने उदबोधन में कहा कि आज का दिन पूरे देश के लिए विशेष है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लगातार 25 वर्षों से देश और समाज की सेवा की है। इसी भावना के साथ इस वर्ष 'सेवा संकल्प अभियान' के माध्यम से सेवा कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग समाज की धरोहर हैं और उनकी सेवा एवं देखभाल करना हम सभी का नैतिक दायित्व है। उन्होंने समाज कल्याण विभाग एवं ग्राम विकास समिति द्वारा बुजुर्गों के लिए किए जा रहे इस प्रयास की सराहना की। उन्होंने समाज कल्याण विभाग से कहा कि आज बुजुर्ग माताओं के हाथों जहां भी 'आशीर्वाद का दीया' जलाया जाएगा, वहां उनके आशीर्वाद से देश के उज्ज्वल भविष्य और विजन 2047 के संकल्प को नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा केवल एक संस्थागत जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक दायित्व भी है। कई बार परिस्थितियों के कारण लोग अपने माता-पिता की उस तरह सेवा नहीं कर पाते, जैसी वे करना चाहते हैं। ऐसे में वृद्धा आश्रम उनके लिए सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण उपलब्ध कराना है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इस 25 सीटर आश्रम में जिले, प्रदेश और अन्य राज्यों से भी बुजुर्ग आ सकते हैं और यहां रहकर एक नए परिवार का अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। उन्होंने आश्रम में बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने के लिए ओपन शौचालय निर्माण कराने के निर्देश दिए। साथ ही नगर पंचायत अध्यक्ष एवं जनप्रतिनिधियों से नियमित रूप से आश्रम का भ्रमण कर व्यवस्थाओं का जायजा लेने की अपील की। उन्होंने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों के लिए प्रत्येक सप्ताह कहीं न कहीं भ्रमण की व्यवस्था करने तथा पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन-पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

गीता, रामायण और हनुमान चालीसा भेंट कर किया सम्मान

उद्घाटन कार्यक्रम के दौरान वृद्धजनों के सम्मान के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंत में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने आश्रम में रहने आए बुजुर्ग माता-पिता से आत्मीयता से मुलाकात की और उनके हालचाल पूछे। उन्होंने बुजुर्गों को श्रीमदभगवदगीता, रामायण, हनुमान चालीसा तथा शाल-श्रीफल भेंट कर सम्मानित किया और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान वातावरण भावुक और आत्मीय हो गया। कार्यक्रम के अंत में ग्राम विकास समिति के प्रतिनिधियों एवं समाज कल्याण विभाग द्वारा उपस्थित सभी अतिथियों, अधिकारियों, जनप्रतिनिधियों एवं स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

बुजुर्गों के लिए बना अपनत्व और सम्मान का नया आशियाना

उदय शांति वृद्धा आश्रम 25 सीटर है, जहां बुजुर्गों को सुरक्षित, सम्मानजनक और पारिवारिक वातावरण उपलब्ध कराने की पहल की गई है। आश्रम के शुभारंभ के अवसर पर प्रभारी उप संचालक समाज कल्याण सुश्री अंजना रोस बेक ने सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि जिले में इस नए वृद्धा आश्रम का शुभारंभ बुजुर्गों के लिए संवेदनशील और मानवीय पहल है। उन्होंने बताया कि यह 25 सीटर आश्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा और आज से प्रारंभ 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत समर्पित किया गया है। उन्होंने बताया कि 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम के अंतर्गत समाज कल्याण विभाग द्वारा जिले के विभिन्न वृद्धा आश्रमों में भी दीप प्रज्वलित किए जाएंगे। इसका उद्देश्य बुजुर्गों के आशीर्वाद और उनके अनुभवों को समाज की सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ना है।

कलेक्टर ने कहा- बुजुर्गों की हर जरूरत का रखा जाए ध्यान

कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े ने आश्रम के शुभारंभ पर उपस्थित सभी अतिथियों एवं जनप्रतिनिधियों का स्वागत करते हुए कहा कि 25 सीटर वृद्धा आश्रम का प्रारंभ जिले के लिए महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने आश्रम में रहने वाले बुजुर्गों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि आश्रम में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर जिला प्रशासन को तत्काल अवगत कराया जाए। उन्होंने बुजुर्गों के मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए उन्हें समय-समय पर गार्डन, पर्यटन स्थल और बाजार भ्रमण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने बुजुर्गों से कहा कि वे अपनी रुचि के अनुसार विभिन्न गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लें। सिलाई, खेलकूद, पढ़ना-लिखना अथवा अन्य रचनात्मक गतिविधियां करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित किया जाए। समाज कल्याण विभाग को नियमित रूप से विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने तथा योगाभ्यास पर विशेष ध्यान देने के निर्देश भी दिए गए।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर पूरे देश में उत्सव का माहौल: स्वास्थ्य मंत्री

■ सेवा संकल्प अभियान के तहत कहीं स्वास्थ्य शिविर तो कहीं लगाये गए रक्तदान शिविर

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का 17 सितम्बर जन्मदिवस है जिसे सेवा संकल्प अभियान के रूप में एक माह 17 अक्टूबर तक मनाया जाएगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन जिला मुख्यालय मनेंद्रगढ़ के शासकीय विवेकानंद पीजी कॉलेज प्रांगण में मेगा हेल्थ केम्प का आयोजन किया गया। इस स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने पहुंचकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया। वहीं मेडिकल कॉलेज मनेन्द्रगढ़ के नवप्रवेशी छात्रों का सम्मान किया गया है। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मनेंद्रगढ़ विधायक व छत्तीसगढ़ शासन में स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल उपस्थित रहे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष चम्पादेवी पावले, योग आयोग के अध्यक्ष संजय अग्रवाल, जिले की कलेक्टर सुश्री संतन देवी जांगड़े, जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंती सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल सहित अतिथियों ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के छायाचित्र पर दीप प्रज्वलित कर की। इस दौरान स्वास्थ्य मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया गया। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इस मेगा स्वास्थ्य कैंप में स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर लोगों को जागरूक किया गया और विभिन्न स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई गईं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जन्मदिन है और इस अवसर को सेवा संकल्प अभियान के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर पूरे देश में उत्सव का माहौल है। सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन कहीं स्वास्थ्य शिविर तो कहीं रक्तदान शिविर लगाकर सेवा और जनकल्याण के कार्यों के माध्यम से समाज के अंतिम व्यक्ति तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। सेवा संकल्प अभियान के पहले दिन मनेंद्रगढ़ में मेगा हेल्थ केम्प लगाया गया जिसमें 1139 लोगों ने स्वास्थ्य परीक्षण कराया। स्वेच्छा से 119 लोगों ने रक्तदान किया। स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। उन्होंने कहा कि एमसीबी क्षेत्र में मेडिकल कॉलेज की शुरुआत के साथ स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में एक बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। इसी कड़ी में मेडिकल कॉलेज में नवप्रवेशित 31 विद्यार्थियों को किट प्रदान कर उनके प्रवेश की प्रक्रिया को आगे बढ़ाया गया। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि आने वाले समय में एमसीबी क्षेत्र मेडिकल हब के रूप में विकसित होने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। मेडिकल कॉलेज और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार के बाद जिले के लोगों को गंभीर इलाज और बेहतर चिकित्सा सुविधाओं के लिए दूसरे शहरों की ओर जाने की जरूरत कम होगी और उन्हें अपने ही क्षेत्र में बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज के इस सत्र में विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसके लिए चिकित्सकों की भर्ती की प्रक्रिया भी की जा रही है, ताकि मेडिकल कॉलेज में अध्ययनरत विद्यार्थियों को अनुभवी चिकित्सकों और विशेषज्ञों से बेहतर शिक्षा मिल सके। स्वास्थ्य मंत्री के मुताबिक आने वाले समय में मेडिकल कॉलेज के विस्तार के साथ क्षेत्र में चिकित्सा सेवाओं का दायरा भी बढ़ेगा और इसका सीधा लाभ एमसीबी सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों को मिलने की उम्मीद है।

जिले के विद्यार्थियों के लिए सुनहरा अवसर, नवोदय विद्यालय में 9वीं-11वीं में प्रवेश के आवेदन शुरू

एमसीबी। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के प्रतिभावान विद्यार्थियों के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश का सुनहरा अवसर है। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा (बैकुंठपुर), जिला-कोरिया में शैक्षणिक सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं 11वीं में पार्श्व चयन परीक्षा (लेटरल एंट्री चयन परीक्षा-स्थ्रस्ज्ञ) के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। वर्तमान में एमसीबी जिला जवाहर नवोदय विद्यालय, केनापारा के शैक्षणिक क्षेत्राधिकार के अंतर्गत आता है। कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के लिए इच्छुक पात्र विद्यार्थी 30 सितंबर 2026 तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन के लिए किसी प्रकार का शुल्क निर्धारित नहीं है। एमसीबी जिले के मनेन्द्रगढ़, खड़गवां एवं भरतपुर विकासखंड के वे विद्यार्थी आवेदन कर सकते हैं, जो वर्तमान में किसी मान्यता प्राप्त विद्यालय में क्रमशः कक्षा 8वीं अथवा 10वीं में अध्ययनरत हैं। प्रवेश निर्धारित पात्रता एवं चयन परीक्षा के आधार पर होगा। विद्यार्थियों को आवेदन के लिए किसी विशेष स्थान पर जाने की आवश्यकता नहीं है। इंटरनेट सुविधा वाले कंप्यूटर, लैपटॉप अथवा मोबाइल के माध्यम से घर बैठे ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों के विद्यार्थी नजदीकी कॉमन सर्विस सेंटर (ष्टस्ष्ट) अथवा लोकसेवा केंद्र की सहायता से भी आवेदन प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं। आवेदन करने से पहले विद्यार्थी वेबसाइट पर उपलब्ध पात्रता शर्तों, आवश्यक दस्तावेजों एवं अन्य दिशा-निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ लें। जवाहर नवोदय विद्यालय से संबंधित जानकारी के लिए जवाहर नवोदय विद्यालय प्रशासन द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार कक्षा 9वीं एवं 11वीं में लेटरल एंट्री के लिए चयन परीक्षा 10 अप्रैल 2027 को आयोजित की जाएगी।

नशीले इंजेक्शन की बिक्री करने वाला आरोपी चढ़ा चिरमिरी पुलिस के हत्थे

आरोपी के कब्जे से 52 नशीले इंजेक्शन, स्कूटी एवं मोबाइल बरामद

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। चिरमिरी थाना पुलिस नशे के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को नशे के इंजेक्शन के साथ गिरफ्तार किया है। मिली जानकारी के अनुसार श्रीमती रत्ना सिंह (IPS) पुलिस अधीक्षक जिला एम.सी.बी. के निर्देशन में जिले में नशीले पदार्थों का सेवन एवं अवैध बिक्री करने वालों के विरुद्ध लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं नगर पुलिस अधीक्षक के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी चिरमिरी वासुदेव परगनिहा के नेतृत्व में थाना चिरमिरी पुलिस को नशीले इंजेक्शन की अवैध बिक्री के विरुद्ध कार्रवाई में सफलता प्राप्त हुई। 16 सितंबर 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि टिकरापारा बड़ा बाजार, चिरमिरी निवासी

आशीष जायसवाल, पिता स्व. रामलखन जायसवाल, उम्र 38 वर्ष, अपने कब्जे में नशीले इंजेक्शन रखकर बिक्री करने के लिए ग्राहक की तलाश कर रहा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा कालीबाड़ी काली मंदिर के नीचे रोड पर घेराबंदी कर आरोपी आशीष जायसवाल को पकड़ा गया। आरोपी के कब्जे में रखी जुपिटर स्कूटी क्रमांक सीजी 16 सीजे 3523 की तलाशी लेने पर स्कूटी की डिक्की में एक काले रंग की प्लास्टिक थैली में Re&ogesic Buprenorphine Injection IP – 26 नग, Avil Pheniramine Injection IP – 26 नग कुल 52 नशीले इंजेक्शन, कीमत लगभग 18,200 बरामद किए गए। इसके अतिरिक्त आरोपी के कब्जे से जुपिटर स्कूटी कीमत 25,000 एवं घटना में प्रयुक्त मोबाइल फोन कीमत 10,000 बरामद किया गया। इस प्रकार पुलिस द्वारा कुल लगभग 53,200 की सामग्री जप्त कर विधिवत सीलबंद कर कब्जा पुलिस में लिया गया।

आरोपी आशीष जायसवाल के विरुद्ध थाना चिरमिरी में अपराध क्रमांक /2026, धारा 22(सी) एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विधिवत गिरफ्तार किया गया तथा 17 सितम्बर 2026 को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। उक्त कार्रवाई में थाना प्रभारी वासुदेव परगनिहा, सउनि चित्रभान सिंह, प्र.उ.निरीक्षक विजय सिंह गोंड, प्र.आर. 54 अशोक मलिक, आर. 133 सुरेश तिग्गा, सै.क्र. 36 प्रमोद, सै.क्र. 158 रामजी गुप्ता सहित थाना चिरमिरी पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।

चोरी के मामले में फरार आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर भेजा जेल

■ कोतवाली पुलिस लगातार कर रही चोरी के फरार आरोपियों की धर पकड़

छ.ग.फ्रंटलाइन

मनेंद्रगढ़ (एमसीबी)। चोरी के मामले में फरार एक आरोपी को कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल की राह दिखा दी है। मामले में पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मनेंद्रगढ़ शहर के रेलवे कालोनी में रहने वाले प्रार्थी गुरु दत्ता के गैरज से कॉपर वायर चोरी होने से सिटी कोतवाली में अपराध पंजीबद्ध कराया गया था । पूर्व में प्रकरण में शामिल रहने वाले आरोपी राकेश यादव पिता श्याम लाल 22 वर्ष के कब्जे से लगभग 10 कॉपर वायर व घटना मे प्रयुक्त

मोटर साइकिल जुमला कीमत लगभग 50000 रुपए को बरामद कर जप्त कर गिरफ्तार किया गया था एवं अन्य आरोपी फरार थे। पुलिस अधीक्षक एमसीबी श्रीमती रत्ना सिंह (आईपीएस) ने निर्देश दिया कि विशेष अभियान चला कर चोरी के फरार आरोपी की धरपकड़ करें। निर्देश के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अनिल विश्वकर्मा के मार्गदर्शन में कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले के नेतृत्व में टीम बनाकर चोरी के प्रकरण में विवेचना व फरार आरोपियों की सघनता से पतासाजी प्रारम्भ किया जा रहा था कि मुखबिर की सूचना पर सुराग मिलने पर चोरी में शामिल एक अन्य आरोपी अंशु देवांगन पिता स्व समय लाल निवासी वार्ड न 7, ग्राम सेंधा चौकी नागपुर को पकड़ा गया। जिन्होंने मनोवैज्ञानिक तरीके से पूछताछ करने पर चोरी की वारदात शामिल होना स्वीकार किया। आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। सम्पूर्ण कार्यवाही मे निरीक्षक विवेक पाटले, पीएसआई भरत यादव, प्रधान आरक्षक राजकुमार सेन, राकेश आरक्षक मो. आजाद, प्रमोद यादव (साइबर सेल), सैनिक विनीत सोनी शामिल रहे। कोतवाली थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक पाटले ने कहा कि मनेंद्रगढ़ पुलिस आम जन से अपील करती है कि वे चोरी की घटनाओं पर तत्काल एफआईआर करायें व संदिग्ध व्यक्ति दिखने पर तत्काल पुलिस को सूचित करें। मनेंद्रगढ़ पुलिस लगातार चोरी के आरोपियों पर सख्त कार्यवाही कर रही है । भविष्य में भी कार्यवाही जारी रहेगी।

नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान

सोनहत। विकास खंड सोनहत में नरेंद्र मोदी के जन्मदिन दिवस के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया रक्तदान एवं मरीजों को किया फल वितरण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में सेवा संकल्प अभियान के तहत रक्तदान करने वालों में नव रतन पाण्डेय राजेश गुप्ता एवं सुनैना कमल सिंह इत्यादि ने किया वहीं पर मरीजों को फल वितरण में जनपद उपाध्यक्ष संदीप जायसवाल मान मती सिंह राम प्रताप मरावी ने किया रक्तदान दताओ ने कहा कि यह एक सुरक्षित स्वस्थ व्यक्ति स्वेच्छा से अपना रक्त दान कर सकता है। दुर्घटनाओं गंभीर चोटों या सर्जरी के दौरान खुन की कमी पड़ती है अस्पतालों और ब्लड बैंकों में आपातकालीन स्थिति के लिए हमेशा पर्याप्त रक्त का स्टाक सुरक्षित रखना रक्त हमारे शरीर में आक्सीजन पोषक तत्वों का परिवहन करने के साथ साथ प्रतिरक्षा और तापमान नियंत्रण अपशिष्ट पदार्थों का परिवहन रक्तदान महादान किये भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन पर कार्यकर्ताओं ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सोनहत में रक्त दान एवं मरीजों को फल वितरण किये जिसमें मुख्य रुप से मान मति सिह सुनैना कमल सिंह ओमप्रकाश गुप्ता नव रतन पाण्डेय हिरमन राम प्रताप मरावी संदीप जायसवाल के अलाव और भी कई भाजपा कार्यकर्ताओं शामिल रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व ऑफसेट पुराना पोस्ट ऑफिस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर (छ.ग.) पिन नं. 497001 से मुद्रित व महलपारा बैकुण्ठपुर से प्रकाशित। संपादक- कमलेश शर्मा